राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण

रांची और पटना से एक साथ प्रकाशित

8

वर्ष 12 अकं :253 रांची (झारखंड) बुधवार,25 जून 2025 पेज - 08 मूल्य: 2 RNI NO- JHAHIN/2013/54373

देशभर में मानसून सक्रिय, अगले कुछ दिनों में भारी बारिश की चेतावनी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने जारी अपने पूर्वानुमान में देश के विभिन्न हिस्सों में आगामी दिनों में भारी से बहुत भारी वर्षा की चेतावनी दी है। इसके अनुसार, वर्तमान में देश के कई हिस्सों में सक्रिय मानसून प्रणाली के चलते व्यापक रूप से वर्षा होने की संभावना है, जिससे बाढ़, जलभराव और भूमि धंसने जैसी घटनाएं हो सकती हैं। विशेषकर पूर्वी और मध्य भारत में मौसम का मिजाज अगले कुछ दिनों तक गंभीर बना रहेगा।पश्चिमी मध्य प्रदेश में 24 जून को कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की आशंका जताई गई है। साथ ही 24 से 27 जून तक मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में भारी से बहुत भारी वर्षा का पूर्वानुमान है। इन क्षेत्रों में गरज-चमक और तेज़ हवाओं के साथ लगातार बारिश जारी रहने की संभावना है। महाराष्ट्र के विदर्भ में 25 एवं 26 जून को भारी वर्षा हो सकती है जबकि सिक्किम और गंगीय पश्चिम बंगाल में भी मौसम सक्रिय रहने की चेतावनी दी गई है।पश्चिम भारत की बात करें तो 24 से 29 जून के बीच गुजरात, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में भी बारिश का सिलसिला जारी रहने का अनुमान है। 24 जून को कोंकण में बहुत भारी वर्षा होने की आशंका है। इन क्षेत्रों में

हल्की से मध्यम वर्षा के साथ तेज़ हवाएं चल सकती हैं। उत्तर-पश्चिम भारत में भी मानसून के असर से बारिश का दौर तेज होने वाला है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान में 24 से 29 जून के बीच भारी से बहुत भारी वर्षा हो सकती है। इन क्षेत्रों में गरज-चमक, आंधी और 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। पूर्वोत्तर भारत में भी अगले 7 दिनों तक हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। साथ ही आईएमडी ने 24 जून को अरुणाचल प्रदेश में बहुत भारी बारिश का अनुमान व्यक्त किया है। दक्षिण भारत में भी 24 से 27 जून के बीच केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और लक्षद्वीप में मौसम का मिजाज बदला रहेगा। इन इलाकों में गरज के साथ बौछारें पड़ने, तेज हवाएं (40-60 किमी प्रति घंटे की गति) चलने और समुद्र में हलचल की संभावना है। आईएमडी के अनुसार, मानसून की उत्तरी सीमा अब राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर तक पहुंच चुकी है। आगामी 48 घंटों में मानसून दिल्ली, चंडीगढ़, हरियाणा और शेष उत्तर भारत में और आगे बढ़ सकता है। फिलहाल दक्षिण उत्तर प्रदेश, मध्य भारत, ओडिशा, सौराष्ट्र, कच्छ, असम और आंध्र-ओडिशा तट के पास ऊपरी हवा में चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है, जो वर्षा गतिविधियों को और गति दे रहा है।

राजद कल्चर ने बिहार को बर्बाद किया: विजय सिन्हा

एजेंसी

पटना । बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव का फिर से राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना तय माना जा रहा है। ऐसे में बिहार के उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने मंगलवार को राजद पर जोरदार निशाना साधते हुए कहा कि राजद कल्चर ने बिहार को बर्बाद कर दिया। पटना में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने लालू यादव पर सियासी हमला बोलते हुए कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण के ये ऐसे शिष्य हैं जिन्होंने लोकतंत्र को कलंकित किया और संविधान को दागदार किया। सजायाफ्ता अपराधी जब किसी पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बने और सत्ता में बैठकर लोगों का आदर्श बनने की भावनाओं का प्रकटीकरण करे, यह राजद में ही संभव है। इस राजद कल्चर ने बिहार को बर्बाद कर दिया।

उन्होंने आगे तंज कसते हुए कहा, राजद कल्चर में पढ़ने वाले लोग भी उसी रास्ते पर चल रहे हैं। ये बिहार के हितैषी नहीं हैं। ये बिहार को बदनाम और बर्बाद करने वाले लोग हैं। राजद अभी भी नहीं सुधरा है और कल भी नहीं सुधरेगा। उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने आगे कहा कि राजद लोकतंत्र की पार्टी नहीं है। यहां राजतंत्र और परिवारतंत्र है। जमींदारी के भाव से वे राजनीति करते हैं और उसका भाव स्पष्ट प्रकट भी होता है। दरअसल, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए नामांकन कर दिया है। लालू यादव राजद कार्यालय पहुंचे और फिर राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया है। लालू यादव को फिर से पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना तय माना जा रहा है। राजद के सांगठनिक सत्र 2025-2028 के लिए यह नामांकन किया गया है। लालू के नामांकन दाखिल करने के दौरान उनके साथ तेजस्वी यादव, अब्दुल बारी सिद्दीकी सहित राजद के कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। राजद पार्टी के गठन के बाद से ही लालू यादव ही पार्टी के अध्यक्ष हैं। वे 12 बार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर पूरा कर चुके हैं। यह 13वीं बार के लिए नामांकन भरा है।

हिमाचल हाई कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, चलाया गया तलाशी अभियान

शिमला। हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इससे राजधानी शिमला समेत पूरे प्रशासनिक तंत्र में हड़कंप मच गया। देशभर के न्यायिक परिसरों को इस तरह की धमकी ई-मेल से मिली है। इसके बाद ऐहतियात के तौर पर मंगलवार को हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट में भी तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। एहतियातन उच्च न्यायालय भवन की पूरी घेराबंदी कर दी गई। बम निरोधक दस्ते की टीम मौके पर पहुंच चुकी है और पूरे भवन में गहन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। अब तक की तलाशी अभियान में किसी भी तरह की विस्फोटक सामग्री बरामद नहीं हुई है और स्थिति सामान्य बनी हुई है। हालांकि पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हैं और किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए हर जरूरी कदम उठा रही हैं। कोर्ट परिसर में कर्मचारियों और आम लोगों की आवाजाही को सीमित कर दिया गया है। वहीं, सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा कर दिया गया है। यह कोई पहली

बार नहीं है जब इस तरह की धमकी मिली है। इससे पहले भी करीब दो सप्ताह पूर्व हाई कोर्ट को आत्मघाती बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इसके बाद एक बड़े स्तर पर तलाशी अभियान चलाया गया था। उस समय भी कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई थी। लेकिन पुलिस ने पूरे परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को और पुख्ता कर दिया था। सिर्फ हाई कोर्ट ही नहीं राज्य सचिवालय शिमला, हमीरपुर, मंडी, चंबा और कुल्लू जिलों के उपायुक्त कार्यालयों को भी इसी प्रकार की धमकियां मिल चुकी हैं। यह सभी धमकियां भी ई-मेल के माध्यम से भेजी गई थीं। इससे साफ है कि किसी सुनियोजित योजना के तहत प्रशासनिक संस्थानों को निशाना बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इस संबंध में पुलिस का कहना है कि सभी ई-मेल की भाषा और प्रारूप लगभग एक जैसी है। इससे लगता है कि इनका स्रोत एक ही हो सकता है। साइबर विशेषज्ञों की एक टीम इन ई-मेल की ट्रैकिंग कर रही है और जल्द ही इसके पीछे के असली चेहरे सामने आने की उम्मीद है।

असम के नगांव जिले में 3.7 तीव्रता का भूकंप, कहीं से नुकसान की कोई खबर नहीं

गुवाहाटी। असम के नगांव जिला और उसके आसपास के इलाकों में मंगलवार की सुबह एक बार फिर से भूकंप के झटके महसूस किए गए। सात दिन बाद सुबह 6 बजकर 37 मिनट 10 सेकेंड पर आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.7 आंकी गयी। हल्के भूकंप में किसी के हताहत होने या अन्य किसी प्रकार के नुकसान की खबर नहीं है। इससे पहले 17 जून को सुबह 11.12 बजे नगांव में 3.2 तीव्रता का भूकंप आया था।राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) की ओर से आज सुबह जारी की गई जानकारी के अनुसार, मंगलवार को सुबह 6 बजकर 37 मिनट 10 सेकेंड आए 3.7 तीव्रता के भूकंप का केंद्र नगांव जिले में सतह से 10 किलोमीटर नीचे, 26.33 डिग्री उत्तर और 92.81 डिग्री पूर्व अक्षांश पर स्थित था हालांकि, आज आए भूकंप के झटके मध्य और उत्तरी असम के विभिन्न हिस्सों में आंशिक रूप से महसूस किए गए, लेकिन अधिकांश लोगों को भूकंप के झटके महसूस नहीं हुए। उल्लेखनीय है कि बीते शुक्रवार यानी 20 जून को शाम 7:14:06 बजे उत्तरी असम के डिब्रूगढ़ जिले में 3.0 तीव्रता का भूकंप आया था। इससे पहले, 17 जून को सुबह 11:12 बजे असम के नगांव में 3.2 तीव्रता का भूकंप आया था।

भारतीयों का खून बहाने वालों के लिए कोई भी ठिकाना सुरक्षित नहीं : मोदी

22 मिनट में ही दुश्मन ने टेके घुटने: प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि आज का भारत देशहित में जो सही है, उसके हिसाब से कदम उठाता है। पीएम मोदी मंगलवार को दिल्ली में आयोजित श्रीनारायण गुरु और महात्मा गांधी के बीच ऐतिहासिक बातचीत की शताब्दी समारोह बैठक में शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने मंच से सशक्त होते भारत के जज्बे को सलाम किया। साथ ही ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया। कहा कि 22 मिनट में ही हमने दुश्मन को घुटने पर ला दिया। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत तेजी से दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा

है। हाल में दुनिया ने देखा है कि भारत का सामर्थ्य क्या है। ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी कठोर नीति को दुनिया के सामने स्पष्ट कर दिया है। हमने दिखा दिया है कि भारतीयों का खून बहाने वाले आतंकवादियों के लिए कोई भी ठिकाना सुरक्षित नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने 'मेड इन इंडिया' हथियारों की प्रशंसा करते हुए कहा, 'आज का भारत देशहित में कदम उठाता है। आज सैन्य जरूरतों के लिए भी भारत की विदेशों पर निर्भरता लगातार कम हो रही है। हम डिफेंस सेक्टर में आत्मनिर्भर हो रहे हैं, जिसका प्रभाव हमने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देखा है। हमारी सेनाओं ने भारत में बने हथियारों से दुश्मन को 22 मिनट में घुटने टेकने के लिए मजबूर कर दिया। मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में 'मेड इन इंडिया' हथियारों का डंका पूरी दुनिया में बजेगा। कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा, देश के संकल्पों को पूरा करने के लिए हमें श्रीनारायण गुरु की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाना है। इसके लिए सरकार भी सक्रियता के साथ काम कर रही है। हम शिवगिरी सर्कल का निर्माण करके श्रीनारायण गुरु से जुड़े तीर्थ स्थानों को जोड़ रहे हैं। मुझे विश्वास है कि उनके आशीर्वाद और उनकी शिक्षाएं अमृतकाल की यात्रा में रास्ता दिखाती रहेंगी। हम सब एक साथ मिलकर विकसित भारत के सपने को पूरा करेंगे।

कथावाचक के साथ दुर्व्यवहार निंदनीय : ओम प्रकाश राजभर

एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के इटावा में कथावाचक के साथ हुए दुर्व्यवहार पर सियासत तेज हो गई है। इस घटना को उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने निंदनीय बताया। उन्होंने दावा किया कि इस तरह की घटनाएं नहीं होनी चाहिए, दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान कहा कि कथावाचक के साथ हुए दुर्व्यवहार की हम निंदा करते हैं। इस तरह की घटनाएं समाज में बुरा संदेश देती हैं; ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए। ऐसी घटनाओं से सामाजिक सौहार्द बिगड़ता है; मामले में दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। दरअसल, इटावा के थाना बकेवर इलाके के दान्दरपुर गांव में कथा कथावाचक और उनके सदस्यों के साथ दुर्व्यवहार हुआ था। जातिसूचक टिप्पणी और कहासुनी के बाद कथावाचक और उनकी टीम के सदस्यों को ग्रामीणों ने घेरकर पहले बाल कटवाए और नाक भी रगड़वाई थी। वहीं, राजभर ने अबू आजमी पर

भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि अबू आजमी को अपने कौम की बेहतरी के लिए सोचना चाहिए, अमन चैन कैसे रहे, शिक्षा कैसे बेहतर हो, इस पर सोचना चाहिए। ये लोग गुलामी की जिंदगी जी रहे हैं। ये लोग हमेशा हिंदू-मुसलमान की बात करते हैं, इंसानियत की बात क्यों नहीं करते ये लोग?।

'सभी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए तैयार आयोग', इलेक्शन कमीशन ने राहुल गांधी को दिया चर्चा का निमंत्रण

एजेंसी

नई दिल्ली । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल द्वारा महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 पर चर्चा की मांग का चुनाव आयोग ने जवाब दिया है। उन्होंने राहुल गांधी को चुनाव आयोग के साथ बातचीत के लिए निमंत्रित किया है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग आपसे व्यक्तिगत रूप से मिलने और सभी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए भी तैयार है।

भारत निर्वाचन आयोग सचिवालय ने कहा, पिछले साल हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों पर एक अखबार में प्रकाशित आपके लेख के मद्देनजर मुझे यह बताने का निर्देश दिया गया है कि नवंबर 2024 में विधानसभा चुनावों के बाद भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) की ओर से इसी तरह के मुद्दे उठाए गए थे। आयोग ने 24 दिसंबर 2024 को आईएनसी को एक विस्तृत जवाब दिया था, जिसकी प्रति ईसीआई की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इसमें आगे कहा गया, सभी चुनाव भारत के निर्वाचन आयोग द्वारा संसद द्वारा पारित निर्वाचन कानूनों, उनमें बनाए गए नियमों और समय-समय पर जारी किए गए आयोग के निर्देशों के अनुसार सख्ती से आयोजित किए

जाते हैं। जैसा कि आप जानते हैं कि पूरी चुनाव प्रक्रिया विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर विकेंद्रीकृत तरीके से आयोजित की जाती है, जिसमें महाराष्ट्र भर में 1,00,186 से अधिक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ), 288 निर्वाचक रजिस्ट्रेशन ऑफिसर (ईआरओ), 139 सामान्य पर्यवेक्षक, 41 पुलिस पर्यवेक्षक, 71 व्यय पर्यवेक्षक, 288 रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) जो आयोग द्वारा नियुक्त किए गए थे और राष्ट्रीय एवं राज्य राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त 1,08,026 बूथ लेवल एजेंट (बीएलए), जिनमें आईएनसी के 28,421 एजेंट शामिल थे- ने इसमें भाग लिया था। उन्होंने कहा, हम मानते हैं कि चुनाव के संचालन से संबंधित कोई भी मुद्दा आईएनसी के उम्मीदवारों की ओर से सक्षम न्यायालय में चुनाव याचिकाओं के माध्यम से पहले ही उठाया गया होगा। फिर भी अगर आपके पास अभी भी कोई मुद्दे हैं, तो आप हमें लिख सकते हैं। आयोग आपसे व्यक्तिगत रूप से मिलने और सभी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए भी तैयार है। इसके लिए आप सुविधाजनक तारीख और समय चुनाव आयोग के ईमेल के माध्यम से सूचित कर सकते हैं।

मुंबई से सूरत तक बारिश का कहर : सड़कों पर जलभराव, रायगढ़ में खतरे के निशान को पार हुई कुंडलिका नदी

एजेंसी

मुंबई/सूरत/रायगढ़ । महाराष्ट्र और गुजरात में मूसलाधार बारिश ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। मुंबई से सूरत और रायगढ़ तक बारिश के कारण लोगों को जलभराव और जाम जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। गुजरात के सूरत में पिछले दो दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। पूना पर्वत गाम, वराछा, कपोदरा, कटारगाम, वेद रोड और जहांगीर पुरा जैसे निचले इलाकों में भारी जलभराव की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। हालात यह हैं कि सड़कें पानी से भरे तालाबों में तब्दील हो गई हैं, जिस वजह से लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। इतना ही नहीं, सूरत के बारडोली इलाके में स्थित आशापुरी मंदिर के पास जलभराव हो गया है, जिससे लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। इसके अलावा, दीपनगर इलाके में घरों और दुकानों में बारिश का पानी भर गया है।

इसके अलावा, गुजरात के तापी जिले में मंगलवार सुबह से हो रही भारी बारिश से व्यारा, वालोद, बाजीपुरा और सोनगढ़ जैसे इलाके प्रभावित हुए हैं। वालोद के पास

कलमकुई और वांस्कुई-माधी के बीच सड़क पर नाले का पानी आ गया है, जिससे स्थानीय निवासियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, महाराष्ट्र के मुंबई में समुद्र में ऊंची लहरें उठ रही हैं। मुंबई में हाई टाइड को लेकर अलर्ट भी जारी किया गया है। इसके अलावा, महाराष्ट्र के रायगढ़ में पिछले दो दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण कुंडलिका नदी का जलस्तर भी बढ़ गया है। कुंडलिका नदी चेतावनी स्तर के निशान को पार कर गई है। बताया जा रहा है कि उन्नई बांध के दो गेट को खोल दिया गया है, जिस वजह से कुंडलिका नदी के जलस्तर में बढ़ोत्तरी हुई है। सुरक्षा के मद्देनजर कुंडलिका नदी पर बने पुराने और कम ऊंचाई वाले पुल को यातायात के लिए बंद कर दिया गया है। एहतियात के तौर पर पुलिस प्रशासन और स्थानीय तहसील प्रशासन इस क्षेत्र पर कड़ी नजर रख रहा है।

उपराष्ट्रपति बुधवार को पहुंचेंगे नैनीताल, कुमाऊं विवि तथा शेरवुड कॉलेज के कार्यक्रमों में होंगे शामिल

एजेंसी

नैनीताल। उत्तराखंड के नैनीताल जनपद में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 25 से 27 जून तक तीन दिवसीय प्रवास पर आ रहे हैं। उपराष्ट्रपति इस दौरान कुमाऊं विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह और शेरवुड कॉलेज के कार्यक्रम में भाग लेंगे। उनके आगमन को लेकर प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग व अन्य संबंधित विभाग सतर्क हो गये हैं।नैनीताल जनपद के अपर जिलाधिकारी विवके राय ने बताया कि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का तीन दिन का नैनीताल प्रवास का कार्यक्रम प्राप्त हुआ है। वह 25 जून को नैनीताल पहुचेंगे और 27 जून को लौटेंगे। वह 25 जून को कुमाऊं विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह तथा 27 जून को

शेरवुड कॉलेज में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेंगे। 26 जून को उनके किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल होने का कार्यक्रम नहीं है।

कुमाऊं विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. मंगल सिंह मंद्रवाल ने बताया कि 1972 में स्थापित विश्वविद्यालय की 50वीं वर्षगांठ पर आयोजित स्वर्ण जयंती समारोह सुबह 11 बजे से शुरू होगा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ विश्वविद्यालय के शिक्षकों व गणमान्य व्यक्तियों के साथ संवाद करेंगे। इस कार्यक्रम में उत्तराखंड के राज्यपाल एवं कुलाधिपति ले. जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत भी उपस्थित रहेंगे। शेरवुड कॉलेज के प्रधानाचार्य अमनदीप संधू ने बताया कि उपराष्ट्रपति 27 जून को विद्यालय के स्थापना दिवस कार्यक्रम में भाग लेंगे एवं विद्यार्थियों से संवाद करेंगे। इधर, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के तीन दिवसीय नैनीताल प्रवास के कार्यक्रम को लेकर शासन स्तर पर वर्चुअल बैठक आयोजित की गई, जिसमें जनपद के वरिष्ठ अधिकारियों से तैयारियों की समीक्षा की गई। पुलिस महानिरीक्षक की ओर से भी सुरक्षा की दृष्टि से प्रमुख स्थलों पर सुरक्षा बल तैनात करने के निर्देश जारी किये गये हैं। इसके अतिरिक्त उपराष्ट्रपति की उपस्थिति के दौरान आकस्मिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग को भी अलर्ट रहने के निर्देश दिए गए। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. हरीश चंद्र पंत के अनुसार उपराष्ट्रपति के साथ तीन वरिष्ठ चिकित्सकों की एक विशेष टीम हर समय तैनात रहेगी।

शंघाई सहयोग संगठन बैठक में शामिल होंगे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कई मुद्दों पर चर्चा संभव

एजेंसी

नई दिल्ली । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 25-26 जून को चीन के किंगदाओ में होने वाली शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) बैठक में शामिल होंगे। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) में क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय शांति, सुरक्षा, आतंकवाद के खिलाफ सहयोग और एससीओ सदस्य देशों के रक्षा मंत्रालयों के बीच सहयोग जैसे मुद्दों पर चर्चा की उम्मीद है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भारत के वैश्विक शांति और सुरक्षा के दृष्टिकोण को प्रस्तुत करेंगे, आतंकवाद और उग्रवाद को खत्म करने के लिए संयुक्त प्रयासों का आह्वान करेंगे और एससीओ के भीतर व्यापार, आर्थिक सहयोग और संपर्क बढ़ाने पर जोर देंगे। वह चीन और रूस सहित कुछ देशों के रक्षा मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे। रक्षा मंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर कर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 25 से 26 जून, 2025 तक चीन के किंगदाओ में आयोजित होने वाली शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) रक्षा मंत्रियों की बैठक में एक उच्च स्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे।÷ भारत एससीओ को क्षेत्र में बहुपक्षीय सहयोग, राजनीतिक, सुरक्षा, आर्थिक और लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने के लिए महत्व देता है। एससीओ की नीति संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता, आंतरिक मामलों में गैर-हस्तक्षेप, आपसी सम्मान और समानता के सिद्धांतों पर आधारित है।

'शांति कभी मुफ्त में नहीं मिलती, इसे कमाया जाता है', गौतम अदाणी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की सराहना की

एजेंसी

अहमदाबाद । अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को सफलतापूर्वक अंजाम देने के लिए भारतीय सशस्त्र बलों की सराहना करते हुए कहा कि उनके साहस ने हमें याद दिलाया कि शांति कभी मुफ्त नहीं मिलती, बल्कि अर्जित की जाती है। अदाणी एंटरप्राइजेज की सालाना आम बैठक (एजीएम) को संबोधित करते हुए चेयरमैन ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान, हमारे बहादुर पुरुष और महिला सैनिक वर्दी में खड़े थे। वे वर्दी में प्रसिद्धि और पदकों के लिए नहीं, बल्कि कर्तव्य के लिए खड़े थे।अदाणी समूह के शेयरधारकों की 33वीं सालाना आम बैठक को संबोधित करते हुए उद्योगपति ने कहा, ÷उनके साहस ने हमें याद दिलाया कि शांति कभी भी मुफ्त में नहीं मिलती, इसे अर्जित किया जाता है। इसी के साथ सपने देखने, निर्माण करने और नेतृत्व करने की स्वतंत्रता उन लोगों के कंधों पर मजबूती से टिकी है जो रक्षा करते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर ने दिखाया कि भारत शांति की कीमत जानता है। लेकिन अगर कोई हमें आंख दिखाता है, तो हम उसको उसी भाषा में जवाब देना जानते हैं। पिछले महीने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया गया था। गौतम अदाणी ने कहा, 'मैं आज यहां एक अध्यक्ष के रूप में नहीं, बल्कि एक नागरिक के रूप में खड़ा हूं। मैं हमारी सीमाओं, हमारे परिवारों और हमारी गरिमा की रक्षा करने वालों के मौन बलिदानों के प्रति सम्मान व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि अदाणी डिफेंस के ड्रोन भी 'ऑपरेशन सिंदूर' का हिस्सा थे।गौतम अदाणी ने कहा, जहां तक अदाणी डिफेंस की बात है, तो ऑपरेशन सिंदूर ने आह्वान किया और हमने इसे पूरा किया। हमारे ड्रोन ने आसमान में आंख की तरह काम किया और हमले के दौरान तलवार भी बन गए। उन्होंने आगे कहा, हमारे एंटी-ड्रोन सिस्टम ने हमारे सशस्त्र बलों और नागरिकों की रक्षा करने में मदद की। जैसा कि मैंने हमेशा माना है, हम सुरक्षित क्षेत्रों में काम नहीं करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

चान्हो में आम महोत्सव सह बागवानी मेला

दिव्य दिनकर संवाददाता

चान्हो - प्रखंड मुख्यालय में सोमवार को आम महोत्सव सह बागवानी मेला का आयोजन किया गया. मेला में प्रखंड के विभिन्न पंचायतों के बिरसा हरित ग्राम योजना के लाभुकों द्वारा आम के विभिन्न वेराइटी की प्रदर्शनी लगायी गई थी. उत्कृष्ट उत्पाद के लिए बेयासी पंचायत के इमरान अंसारी व अरशद अंसारी ने पहला व दूसरा तथा तरंगा पंचायत के इन्द्रभूषण भगत ने तीसरा स्थान प्राप्त किया. कार्यक्रम में इनके अलावा अन्य लाभुकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया. संचालन प्रखंड कृषि पदाधिकारी उपेंद्र कुमार सिंह ने किया. मौके पर बीडीओ बरुन कुमार, सीओ संजीव कुमार, बीपीओ गुंजन कुमार, मुखिया भोला उरांव, एई रोहित कुमार, जेई नंदन प्रसाद, विवेक कुमार, रामप्रसाद उरांव, सबेतुन खातुन, रोजगार सेवक यूसुफ अंसारी, विशेश्वर शाही, अशोक गोप, अजय मिश्रा, प्रशांत कुमार, बंधु मुंडा, कपिलदेव मुंडा, भीमशेष सिंह, अवधेश सिंह सहित अन्य मौजूद थे!

इटकी में भाजपा का जोरदार प्रदर्शन

सरकार और भ्रष्टाचार के खिलाफ आक्रोश बारिश के बावजूद जुटे लोग

इटकी

बीजेपी झारखंड प्रदेश द्वारा पूरे प्रदेश के प्रखंड एवं अंचल कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार राज्य में ध्वस्तु कानून व्यवस्था जनहित के मुद्दों पर सरकार की नाकामी को लेकर पूरे प्रदेश भर में जोरदार विद्युत प्रदर्शन और आंदोलन किया गया इसके निमित्त बारे में विधानसभा की प्रखंड में भी जोरदार रोड प्रदर्शन किया गया जिसमें बतौर प्रभारी रंजीत चौधरी एवं रामनारायण भगत उपस्थित रहे। राम नारायण भगत ने कहा कि सरकार विभिन्न मुद्दों पर फेल है। युवाओं को स्वरोजगार एवं जनहित के मुद्दों पर सरकार दिवस दिख रही है साथ-साथ कानों व्यवस्था भी नाकाम है। मौके पर पवन को मोहित को हर्षवर्धन पांडे कृष्ण राम तिवारी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

मुख्य न्यायाधीश दंडाधिकारी के मनमानी रवैया के खिलाफ जिला बार एसोसिएशन पाकुड़ ने की आपातकालीन बैठक

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ मंगलवार को बार एसोसिएशन के सभागार कक्ष में आपातकालीन बैठक बार के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता मो० मोइनुद्दीन की अध्यक्षता में बुलाई गई ।बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित वरिष्ठ अधिवक्ता अंबिका प्रसाद मित्रा, रूहुल अमीन अरुण कुमार त्रिवेदी, प्रकाश रंजन मिश्रा, रंजन कुमार बोस, प्रशांत कुमार मिश्रा, प्रणव कुमार चौबे, निरंजन मिश्रा, राजीव यादव, कौसर आलम, सिद्धार्थ शंकर , अजय यादव , दीनानाथ गोस्वामी, समेत बार के सभी अधिवक्ताओं ने एक मत होकर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के खिलाफ चीफ जस्टिस को अधिवक्ताओं को उनके न्यायालय में हो रहे समस्या के निदान हेतु आवेदन देने का निर्णय लिया गया,अगर निदान नहीं हुआ तो बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं द्वारा आगे कठोर कदम उठाया जाएगा ।बार की यह मांग है कि मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी अपने मनमानी को बंद करे नहीं तो उच्च न्यायालय उन्हें यहां से स्थानांतरण करे और या फिर उन्हें अपने तानाशाह रवैया को बदलने का निर्देश दे ।बार एसोसिएशन के सचिव दीपक ओझा ने बताया कि हमारे मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के मनमानी रवैया के चलते हमने आज आपातकालीन बैठक बुलाई है ।जिसमें उपस्थित अधिवक्ताओं ने मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के न्यायालय में हो रहे मनमानी रवैया के विरोध में चर्चा की गई और उच्च न्यायालय में उनके विरुद्ध व्यवहार न्यायालय के रजिस्टार के माध्यम से शिकायत करने की बात तय की गई। समस्या का निदान नहीं होने पर अधिवक्ता उक्त न्यायालय का बॉयकॉट यानी बहिष्कार करने पर बाध्य होंगे।

नाबालिग लड़की से छेड़खानी मामले में थाना में प्राथमिकी दर्ज

मंडरो:

नाबालिग लड़की से छेड़खानी व मारपीट मामले में हाजीपुर दियारा निवासी मुरारी नामक व्यक्ति के ऊपर मिजाचौकी थाना में हुआ प्राथमिकी दर्ज। वही मामले को लेकर थाना में कांड संख्या 43/25 दर्ज किया गया। मिली जानकारी के अनुसार हाजीपुर दियारा निवासी रोहित कुमार की पुत्री मंजू कुमारी साहिबगंज महाविद्यालय से क्लास करने के बाद ट्रेन से मिर्जा चौकी स्टेशन उतरी मिजाचौकी स्टेशन उतरने के बाद मिजाचौकी थाना के समीप स्थित टेंपो स्टैंड में जाकर बैठने लगी। तभी मुरारी नामक लड़का आया और छेड़खानी का प्रयास और गाली गलौज और मारपीट करने लगा । वही लड़की के द्वारा विरोध करने पर उसका मोबाइल छीन लिया गया। वही जब लड़की ने कहा कि हम अपने भाई को बुलाएंगे तो कहा की भाई को बुलाओ उसको भी मारेंगे । वही टेम्पो स्टैंड के पास मौजूद लोगों ने लड़का को पकड़ा और थाना में पहुंचा दिया ।वही मिर्जाचौकी पुलिस द्वारा लड़की के परिजन से पूछताछ किया जा रहा था।

पू. सी. रेलवे के निरंतर प्रयासों का लक्ष्य ,लामडिंग-बदरपुर रेल कनेक्टिविटी को शीघ्र बहाल करना

मालीगांव, :

हाल ही में लामडिंग झ बदरपुर हिल सेक्शन में भूस्खलन की घटना के कारण रेल सेवाओं में व्यवधान उत्पन्न हुई है। इस स्थिति से निपटने और रेल यातायात को शीघ्र बहाल करने के लिए रेलवे और राज्य प्रशासन द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। स्थिति की समीक्षा और तत्काल समाधान तैयार करने के लिए एक उच्च स्तरीय आपातकालीन बैठक बुलाई गई, जिसमें पू. सी. रेलवे, राज्य सरकार, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और अन्य संबंधित एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। यात्रियों और रेलवे परिसंपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ट्रेन परिचालन को बंद करना पड़ा। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे मलबा को हटाने और जल्द से जल्द ट्रैक को बहाल करने के लिए घटनास्थल पर बड़ी मशीनरी, उपकरण और मानवशक्ति तैनात कर चौबीसों घंटे काम कर रहा है। निरंतर संयुक्त निगरानी और समन्वित प्रयास जारी हैं और उम्मीद है कि जैसे ही रेल पटरियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो जाएगी, ट्रेन सेवाएं पुनः सामान्य हो जाएंगी।

जब तक सेवाएं बहाल नहीं हो जाती, यात्रियों की सुरक्षा के लिए कुछ ट्रेनों को रद्द/आंशिक रद्द करने का निर्णय लिया गया है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे ट्रेनों की आवाजाही और सेवाओं की बहाली संबंधी अधिक जानकारी के लिए आधिकारिक रेलवे संचार चैनलों के माध्यम से अपडेट रहें।

रद्द ट्रेनें:

24 जून, 2025 को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 15611 (रंगिया - सिलचर) एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 15612 (सिलचर - रंगिया) एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या 15615 (गुवाहाटी - सिलचर) एक्सप्रेस। 25 जून, 2025 को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 15616 (सिलचर - गुवाहाटी) एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 15888/15887 (गुवाहाटी - बदरपुर- गुवाहाटी) टूरिस्ट एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या 22450 (नई दिल्ली झ गुवाहाटी) पीएसके एक्सप्रेस। 27 जून, 2025 को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 12503 (एसएमवीटी बेंगलुरु - अगरतला) हमसफर एक्सप्रेस ।

आंशिक रद्द रहने वाली ट्रेनें:

23 जून, 2025 को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 15625 (देवघर-अगरतला) एक्सप्रेस का संक्षिप्त गंतव्य लामडिंग में होगा और लामडिंग एवं अगरतला के बीच आंशिक रद्द रहेगी। 24 जून, 2025 को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 13173 (सिलालदह-सबरूम) कंचनजंगा एक्सप्रेस का संक्षिप्त गंतव्य लामडिंग में होगा और लामडिंग एवं सबरूम के बीच आंशिक रद्द रहेगी। 24 जून, 2025 को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 12516 (सिलचर-कोयंबत्तूर) एक्सप्रेस गुवाहाटी से खुलेगी और सिलचर एवं गुवाहाटी के बीच आंशिक रद्द रहेगी। 25 जून, 2025 को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 13176 (सिलचर-सियालदह) कंचनजंगा एक्सप्रेस लामडिंग से खुलेगी और सिलचर एवं लामडिंग के बीच आंशिक रद्द रहेगी। 25 जून, 2025 को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 12502 (अगरतला-कोलकाता) गरीब रथ एक्सप्रेस गुवाहाटी से खुलेगी और अगरतला एवं गुवाहाटी के बीच आंशिक रद्द रहेगी। प्राथमिक अनुमान के अनुसार, लगभग 50,000 घन मीटर मलबा और पत्थर रेलवे की रिटेनिंग वॉल की ओर गिर गया है। पटरियों की मरम्मत का कार्य आरंभ करने के लिए कम से कम 30,000 घन मीटर मलबा हटाना आवश्यक है। रेलवे की टीमें दिन-रात युद्धस्तर पर कार्य कर रही हैं और लामडिंग मंडल तथा मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी बहाली कार्य की निगरानी और समन्वय बनाए रखने के लिए उक्त स्थल पर कैंप कर रहे हैं। रेल प्रशासन यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद प्रकट करता है और यह आश्वस्त करता है कि यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए रेल परिचालन को शीघ्र बहाल करने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि वे आधिकारिक रेलवे वेबसाइटों, हेल्पलाइनों और सोशल मीडिया हैंडलों के माध्यम से ट्रेन सेवाओं के बारे में नवीनतम अपडेट देखें।

लायंस क्लब रांची हरिकनक ग्रेटर की तीसरी स्थापना दिवस समारोह धूमधाम से मनाई गई

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - आज लायंस क्लब ऑफ रांची हरिकनक ग्रेटर ने अपना तीसरा स्थापना दिवस एंव शपथग्रहण समारोह काके रोड रिलायंस फ्रेश के निकट धूमधाम से मनाई साथ ही हरिकनक ग्रेटर ने क्लब का विस्तार करते हुए एक नए क्लब लायंस क्लब ऑफ राँची दृष्टि की भी स्थापना कर एक नए टीम को भी शपथ दिलवाई । इस मौके पर मुख्यअतिथि के रूप मे लायंस जिला 322 ए.के जिलापाल लायन सीमा बाजपेई जी की उपस्थित रहीं वहीं आगामी सत्र के कार्यकारिणी सदस्यों को पद एंव दायित्वों की शपथ पुर्व जिलापाल लायन सिद्धार्थ मजुमदार के द्वारा दिलवाई गई । लायंस क्लब ऑफ राँची हरिकनक ग्रेटर के आगामी सत्र के लिए लायन अमित कुमार मिश्रा को अध्यक्ष,लायन डॉक्टर दीपक कुमार को सचिव,लायन

अंकित सर्राफ को कोषाध्यक्ष, लायन डॉक्टर राजेन्द्र हाजरा को निदेशक,लायन शिव किशोर शर्मा को पी.आर.ओ.,लायन प्रेमशंकर मिश्रा को प्रशासक तथा अन्य सदस्यों को भी विभिन्न पदों के लिए शपथ दिलाई गई साथ ही साथ नए क्लब लायंस क्लब ऑफ राँची दृष्टि की लिए लायन अपर्णा झा को अध्यक्ष,लायन आशीष खेमका को सचिव,लायन उपेन्द्र कुमार को कोषाध्यक्ष,लायन विकाश कुमार को प्रशासक पद के साथ क्लब के अन्य सदस्यों को शपथ दिलवाई गई । मौके पर मुख्यअतिथि सीमा बाजपेई ने कहा लायंस क्लब विश्व की सबसे बड़ी संस्था है जो की समाज के सबसे निचले पायदान पर रहने वाले व्यक्ति तक पहुँचकर उन्हें अपनी सेवायें प्रदान करती है ।लायंस क्लब को सेवा के लिए ही जाना जाता है। लायंस क्लब मे लोग निःस्वार्थ सेवा भाव से जुड़कर अपनी सेवाएं प्रदान करते है इसके पूर्व उन्होंने नए सत्र के लायन सदस्यों को अपनी शुभकामनाएँ दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लब के वर्तमान अध्यक्ष लायन राजेश केडिया एवं धन्यवाद ज्ञापन विजय कुमार पाठक ने किया साथ ही सभी अतिथियों का स्वागत एवं नए टीम को अपनी शुभकामनाये भी दिए। लायन अमित कुमार मिश्रा एवं लायन अपर्णा झा ने भी अपने अध्यक्षीय संबोधन में आगामी सत्र के कार्यक्रम पर अपनी विचार रखे।आज के कार्यक्रम में मुख्यरूप से प्रथम जिलापाल लायन संजय कुमार,द्वितीय जिलापाल लायन शुभ्रा मजुमदार,डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी लायन शुभम बाजपेयी,जोन चेयरपर्सन लायन आरती कुमारी,एलसीआईएफ समन्वयक लायन सुजीत कुमार,लायन अभिषेक कुमार,लायन विजेंद्र कुमार, लायन अरुण कुमार सहित क्लब के अनेक लायन सदस्यगण मौजूद रहे।

नशाअमुक्ति को लेकर मांडर पुलिस के सहयोग से नगड़ा गाँव मे महिलाओ द्वारा जागरूकता रैली निकली गई

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर- नशा मुक्ति को लेकर मंगलवार को मांडर पुलिस के सहयोग से नगड़ा गांव में महिलाओं के द्वारा जागरूकता रैली निकाली गयी. रैली में शामिल महिलाओं ने नशा और मादक पदार्थों से दूर रहने को लेकर लोगों को जागरूक किया. और अपने नसों में नशे को नहीं जिंदगी को दौड़ने दिजीए के नारे लगाये. मौके पर मांडर थाना के अवर निरीक्षक अरविंद कुमार ने कहा कि नशा लोगों की जिंदगियां ले रहा है. इसलिए सभी नशामुक्त समाज के निर्माण को लेकर आगे आएं और कोई भी व्यक्ति अगर नशे का कारोबार करता हो तो इसकी सूचना अविलंब पुलिस को दें. जागरूकता रैली में महिलाओं के साथ नगड़ा मुखिया बहादुर उरांव भी शामिल थे!

ललकि माटी गांव में वन अधिकार कानून के तहत मनाया गया स्थापना दिवस

दिव्य दिनकर चौपारण राजेश सहाय

चौपारण प्रखंड के ताजपुर पंचायत अंतर्गत ललकि माटी गांव में आदिवासी समुदाय द्वारा वन अधिकार कानून 2006 के तहत वर्ष 2016 में लगाए गए शाइन बोर्ड की स्मृति में बोर्ड गाड़ी स्थापना दिवसस्र हर्षोल्लास के साथ फुटबॉल मैदान मे मनाया गया। यह दिवस न केवल आदिवासी अस्मिता और अधिकारों की प्रतीक है,बल्कि जंगल-जमीन पर ग्राम सभा की संप्रभुता का भी प्रतीक बन चुका है ।इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता ललकि माटी गांव की मुखिया मनोहर मुंडा ने की,जबकि मंच संचालन की जिम्मेदारी धनेश्वर मुंडा ने निभाई ।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सरायकेला-खरसावां से आए सामाजिक कार्यकर्ता सोहन लाल कुमार उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में झारखंड जंगल बचाओ आंदोलन के सक्रिय सदस्य राजेश कुमार महतो व ताजपुर मुखिया प्रतिनिधि अभिमन्यु प्रसाद भगत समेत बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीणों की भागीदारी रही ।ललकि माटी ग्राम सभा के अध्यक्ष दुलाचंद मुंडा,झारखंड जंगल बचाओ आंदोलन के प्रखंड प्रभारी चोले मुंडा,तथा ग्राम सभा मंच के सदस्य सुंदर मुंडा भी प्रमुख रूप से मौजूद रहे ।वक्ताओं ने अपने संबोधन में ग्राम सभा की ताकत,वन अधिकार कानून के महत्व और जंगल बचाने की दिशा में जन-सक्रियता की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम

के अंत में आदिवासी रीति-रिवाज के अनुसार पारंपरिक नृत्य और गीतों की प्रस्तुति ने माहौल को सांस्कृतिक रंग से सराबोर कर दिया। वहीं ग्रामसभा मे मिले वन पट्टा के लोगों को भी सम्मानीत किया गया। मौके पर श्याम मेहता,सोमा मुंडा,बसंत मुंडा,राजेश कुमार महतो,दुलयचंद मुंडा,सूर्यमणि भगत,मीणा कुमारी,बुड़न मुंडा,अलेक सियुस टोप्पो,बुदू मुंडा,भरत सिंह मुंडा,शामू मुंडा,विजय भगत,रामेश्वर महतो,हीरालाल मुर्मू,बिरसा मुंडा,अतुल भगत,गोपाल सिंह मुंडा,पाण्डु मुंडा सहित बड़ी संख्या मे पुरुष और महिलाएं शामिल थे।

जोरदार विद्यालय शिफ्टिंग के विरोध में रैयतों को मिला 'टाइगर' जयराम का समर्थन

केरेडारी संवाददाता रबिन्द्र कुमार पाण्डेय

केरेडारी एनटीपीसी कोल परियोजना के तहत उत्क्रमित मध्य विद्यालय जोरदार को शिफ्ट करने के विरोध में रैयतों का आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। इस आंदोलन को उस वक्त नई ऊर्जा मिली, जब झारखंड लोक कल्याण मंच (जेएलकेएम) के केंद्रीय अध्यक्ष और डुमरी विधायक जयराम महतो, जिन्हें 'टाइगर जयराम' के नाम से भी जाना जाता है, अपने समर्थकों के साथ जोरदार गांव स्थित विद्यालय परिसर पहुंचे ।जयराम महतो ने रैयतों के आंदोलन को मजबूती देते हुए कहा शिक्षा से बच्चों को वंचित करना उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ है विद्यालय के बदले विद्यालय की व्यवस्था होनी चाहिए। एनटीपीसी प्रबंधन को चाहिए कि वह बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए रैयतों से संवाद स्थापित करे और

समाधान निकाले ।उन्होंने ग्रामीणों को एकजुट रहने का आह्वान किया और भरोसा दिलाया कि वे इस आंदोलन में पूरी मजबूती से साथ हैं। महतो ने कहा कि यदि जरूरत पड़ी तो वे बच्चों को लेकर राज्यपाल से भी मिलेंगे और उनकी शिक्षा के अधिकार की रक्षा के लिए हरसंभव कदम उठाएंगे। श्री महतो ने अपनी बातों में कहा कि शिक्षा शेरनी का दूध है, जो जितना पिएगा, उतना आगे बढ़ेगा। बच्चों को शिक्षा से वंचित करना किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस मौके पर बड़ी संख्या में रैयत, अभिभावक, ग्रामीण उपस्थित थे। सभी ने एक स्वर में विद्यालय को शिफ्ट करने के फैसले का विरोध किया और बच्चों के भविष्य के लिए संघर्ष जारी रखने को कहा।

मिशन वात्सल्य के तहत झारखंड आफ्टर केयर मार्गदर्शिका पर जिला स्तरीय कार्यशाला

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ जिला बाल संरक्षण इकाई एवं गैर सरकारी संस्था एस जी वी वी एवं सृजन फाउण्डेशन, रांची के संयुक्त तत्वाधान में पाकुड़ उप विकास आयुक्त के सभाकक्ष में पाकुड़ जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी की अध्यक्षता में झारखंड आफ्टर केयर मार्गदर्शिका, 2023 विषय से संबंधित जिला स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर प्रशिक्षक संस्था के कार्यक्रम समन्वयक संजय कुमार ने बताया कि 14 वर्ष की आयु पूर्ण वैसे बालक, जो दीर्घकालीन बाल देखभाल संस्थान में आवासित हैं, ऐसे बच्चों को व्यक्तिगत देखभाल योजना के अनुसार जरूरतमंद बालकों का आफ्टर केयर सेवाओं से आच्छादित करने की

प्रक्रिया आरंभ की जा सकती है प्रशिक्षक सुतापा रुईदास ने बताया कि वैसे बालक, जिन्होंने 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली हो और उन्हें देखभाल और संरक्षण की आवश्यकता हो ,तो ऐसे बालक को जिला बाल संरक्षण इकाई के माध्यम से चिन्हित कर मूलभूत सुविधाओं से जोड़ा जाए ताकि वह एक जिम्मेदार नागरिक बन सके और सामान्य जीवन व्यतीत कर सके। जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, पाकुड़ के द्वारा बताया गया कि संस्थागत एवं गैर संस्थागत देखभाल सेवा से आच्छादित वैसे बच्चे, जिनकी आयु 18 वर्ष पूर्ण हो गई हो तथा आर्थिक कठिनाई के कारण आगे की पढ़ाई लिखाई जारी रखने में असमर्थ हो ,तो वैसे बालको या किशोरो को आफ्टर केयर मार्गदर्शका , 2023 के तहत आर्थिक सहायता के रूप में 4000 प्रतिमाह दिए जाने का प्रावधान है। कार्यक्रम के दौरान किशोर न्याय बोर्ड के सभी सदस्य, जिला बाल संरक्षण इकाई के सभी पदाधिकारी, चाइल्ड हेल्पलाइन के प्रोजेक्ट को- ऑर्डिनेटर एवं परामर्शी, बल देखभाल संस्थान के अधीक्षक, परामर्शी एवं केस वर्कर , एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन के डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट एसोसिएट, पिरामल फाउंडेशन के प्रोग्राम लीडर, ठक्कर झारखंड विकास परिषद, अमरापाड़ा के कार्यक्रम समन्वयक,एवं बाल संरक्षण मुद्दे पर कार्य कर रहे जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के पारा लीगल वॉलिंटियर्स मौजूद थे।

बोरियो प्रखंड में अबुआ आवास योजना के अंतर्गत गृह प्रवेश कार्यक्रम सम्पन्न

साहिबगंज:

झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी अबुआ आवास योजनास्र के अंतर्गत आज बोरियो प्रखंड परिसर में एक भव्य गृह प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विधायक बोरियो धनंजय सोरेन की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिन्होंने लाभुकों को शुभकामनाएँ दीं एवं सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया ।कार्यक्रम में कुल 150 से अधिक लाभुक परिवारों को उनके नवनिर्मित आवासों की चाभी सौंपी गई। विधायक श्री सोरेन ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य सरकार गरीब, आदिवासी और वंचित वर्गों के लिए बेहतर जीवन स्तर सुनिश्चित करने हेतु संकल्पित है। उन्होंने कहा कि अबुआ आवास योजना केवल एक मकान नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और सुरक्षा का प्रतीक है ।गृह प्रवेश समारोह में लाभुकों ने भी मंच से अपने अनुभव साझा किए और मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन तथा स्थानीय प्रशासन के प्रति आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी नागेश्वर साव, अंचलाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं पंचायत प्रतिनिधियों की भी सक्रिय उपस्थिति रही।

संक्षिप्त समाचार

यदि चाहते हैं जीवन में उत्थान आद्रा में जरूर जाए सत्यचंडी धाम

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल एवं शक्तिपीठ सत्यचंडी धाम में आद्रा मेला के अवसर पर पूजा पाठ करने का विशेष फल मिलता है।जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी ने सत्यचंडी धाम का अवलोकन करते हुए बताया कि आद्रा नक्षत्र में जब भगवान सूर्य आद्रा नक्षत्र में प्रवेश करते हैं तो जहां-जहां शक्ति उपासना स्थल होते हैं वहां-वहां की शक्तियां आद्रा नक्षत्र तक जागृत हो जाती हैं।ऐसी स्थिति में सत्यचंडी धाम में भी आद्रा नक्षत्र के पूरे दिनों में माता जागृत अवस्था में आ जाती हैं इस कालावधि में उनके निमित किए गए पूजा पाठ कभी निष्फल नहीं जाते। सत्यचंडी धाम में सती माता का रक्तिम हस्त गिरने का प्रमाण है।यह धाम शक्ति उपासना के लिए सदियों से प्रचलित रहा है। प्राकृतिक सुषमा से आच्छादित सुरम्य पर्वत के तराई में माता का स्थान अत्यंत ही मनोरम एवं मनोहारी छवि को प्रस्तुत करती है।जब कोई श्रद्धालू भक्त सच्चे मन से माता का दर्शन करने जाता है तो दर्शन मात्र से ही उसके मन में हृदय में भक्ति की अविरल धारा उमड़ पड़ती है। यदि कोई धनहीन व्यक्ति सच्चे मन से माता के दरबार में माता के दरबार में हाजिरी लगाता है तो उसे अवश्य धन की प्राप्ति होती है ऐसा यहां के बुजुर्ग लोग प्रमाण देते हैं। पवित्र बटाने के पावन तट पर अवस्थित माता का दरबार वर्ष भर नवरात्रि के महीने में विशेष कर एवं प्रत्येक रविवार को काफी भीड़ लगती है।

हसपुरा से देवकुंड पथ काफी जर्जर स्थिति में,पैदल चलना भी मुमकिन राहगीरों के लिए

रिपोर्ट / निशांत कुमार

औरंगाबाद :- हसपुरा-देवकुंड पथ की जर्जर स्थिति वाकई चिंताजनक है, खासकर क्योंकि यह सड़क दो प्रमुख धार्मिक स्थलों–बाबा दूधेश्वरनाथ मंदिर और अमझरशरीफ सैयदना दादा के मजार–को जोड़ती है, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। बारिश के बाद सड़क पर 3-4 फीट गहरे गड्ढे और जल-जमाव ने स्थिति को और बदतर कर दिया है, जिससे पैदल चलना तक मुश्किल हो गया है और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। ग्रामीणों की शिकायतों और जनप्रतिनिधियों के आश्वासनों के बावजूद, सड़क निर्माण विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है, हालांकि टेंडर होने की बात कही जा रही है।यह स्थिति बिहार के ग्रामीण सड़क रखरखाव की व्यापक समस्या को दशार्ती है। ग्रामीण सड़कों के रखरखाव की जिम्मेदारी राज्य सरकारों की है, और पांच साल के रखरखाव अनुबंध के बाद भी राज्यों को अगले पांच साल तक सड़कों की देखभाल करनी होती है। लेकिन हसपुरा-देवकुंड पथ के मामले में ऐसा प्रतीत होता है कि न तो निर्माण शुरू हुआ है और न ही रखरखाव पर ध्यान दिया जा रहा है। ग्रामीणों की नाराजगी जायज है, क्योंकि सड़क की खराब स्थिति न केवल दैनिक आवागमन को प्रभावित कर रही है, बल्कि धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों को भी बाधित कर रही है। बिहार विधानसभा चुनाव में यह मुद्दा निश्चित रूप से जनप्रतिनिधियों के लिए एक बड़ा सवाल बन सकता है। सड़क निर्माण विभाग को तुरंत इस दिशा में कदम उठाने चाहिए, जैसे कि टेंडर प्रक्रिया को तेज करना, गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करना, और जल-जमाव की समस्या से निपटने के लिए ड्रेनेज सिस्टम को बेहतर करना।

व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद के कई न्यायधीश का हुआ तबादला

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- पटना हाईकोर्ट ने व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद केपरिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश सत्य भूषण आर्य का तबादला बांका व्यवहार न्यायालय में प्रधान जिला जज के पद पर किया है आपको मालूम कि व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद में न्यायिक सेवा दे चुके न्यायधीश निखिलेश कुमार त्रिपाठी बांका जिले में व्यवहार न्यायालय के प्रधान जिला जज पद से 30/06/25 को सेवानिवृत्त हो रहे हैं, अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि पटना हाईकोर्ट ने व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद के जिला जज प्रथम न्यायधीश इसरार अहमद की पदोन्नति करते हुए मोतिहारी व्यवहार न्यायालय के परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश बनाने कि अनुशंसा बिहार सरकार से किया है साथ ही बेतिया व्यवहार न्यायालय के जिला जज न्यायधीश अरूण कुमार को व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद में परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश बनाने का अनुशंसा राज्य सरकार से किया है।

आकाशीय बिजली ने ली दो लोगों की जान, घर का इकलौता चिराग भी बुझ गया

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

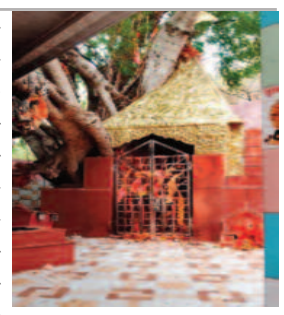

औरंगाबाद :- जिले के कुटुंबा प्रखंड के अंबा थाना क्षेत्र के अतरौली बन गांव में बधार में धान का बिचड़ा देखने गए किसान की बारिश के दौरान वज्रपात की चपेट में आने से मौत हो गयी. मृतक की पहचान उक्त गांव निवासी अमर कुमार (18) के रूप में हुई है. इसकी जानकारी मंगलवार को मृतक के परिजन ने दी. उन्होंने बताया कि सोमवार को ही अमर कुमार ने धान का बिचड़ा बोया था. जब मंगलवार की दोपहर अचानक तेज बारिश होने लगी तो वह बधार स्थित खेत में लगे धान के बिचड़े को देखने गया!

बुरी तरह घायल हुआ था युवक

जैसे ही वह खेत में पहुंचा, वैसे ही तेज गर्जना के साथ उसके समीप ही वज्रपात हुआ. उसकी चपेट में आने से घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गयी. आसपास के खेतों में काम कर रहे अन्य किसानों की नजर अमर पर पड़ी, तो उन्होंने शोर मचाना शुरू किया. आवाज सुनकर परिजन व ग्रामीण पहुंचे और उसे आनन-फानन में रेफरल अस्पताल कुटुंबा पहुंचाया, वहां से डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल रेफर कर दिया. वहां जाने पर सदर अस्पताल के डॉक्टरों ने अमर मृत घोषित कर दिया! घर का इकलौता चिराग का मृतक ,जानकारी मिली है कि अमर घर का इकलौता चिराग था. उसकी तीन बहने हैं. अंबा थानाध्यक्ष राहुल राज ने बताया की वज्रपात की चपेट में आने से एक युवक की मौत हुई है. मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है. इधर, सदर अस्पताल के कर्मियों की सूचना पर नगर थाने की पुलिस पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर परिजनों से जरूरी पूछताछ के उपरांत पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी करायी. इसके बाद शव को दाह संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया है. परिजनों ने जिला प्रशासन से आपदा राहत के तहत मुआवजे की मांग की है!

जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में वित्तीय वर्ष 2024-25 की मार्च तिमाही हेतु जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति, जिला स्तरीय समीक्षा समिति का बैठक आयोजित किया गया

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला पदाधिकारी श्रीकान्त शास्त्री की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में वित्तीय वर्ष 2024-25 की मार्च तिमाही हेतु जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति, जिला स्तरीय समीक्षा समिति एवं जिला स्तरीय समन्वय समिति (उछउउ) की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की शुरूआत में संयोजक एवं अग्रणी जिला प्रबंधक आनंद वर्धन ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। अध्यक्ष महोदय की अनुमति से सभा की कार्यवाही प्रारंभ करते हुए उन्होंने पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों पर की गई कार्रवाई की बिंदुवार समीक्षा प्रस्तुत की, जिस पर सदन ने संतोष व्यक्त किया एवं ध्वनि मत से पुष्टि की। अग्रणी जिला प्रबंधक श्री वर्धन ने जिले में कार्यरत बैंकों की उपलब्धियों से सदन को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि मार्च 2025 में जिले का समग्र उऊफ्ङ्ग 63.76 प्रतिशत रहा, जो कि संतोषजनक है। इसमें इंडियन बैंक, कैनरा बैंक, आईसीआईसीआई, एचडीएफसी, आईडीबीआई, बंधन बैंक और उत्कर्ष बैंक का योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। हालांकि, बैंक ऑफ बड़ौदा, बैंक ऑफ इंडिया, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और भारतीय स्टेट बैंक जैसे प्रमुख बैंकों का उऊफ्ङ्ग 40 प्रतिशत से भी कम रहा, जिसे लेकर सुधार की आवश्यकता जताई गई। जिला पदाधिकारी ने सभी बैंकों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों के पात्र उद्यमियों को प्रधानमंत्री स्वरोजगार योजना, पीएमएफएमई, मुद्रा योजना एवं किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड से अवश्य जोड़ें। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों एवं बैंक प्रतिनिधियों से परस्पर समन्वय स्थापित कर जिले के समग्र विकास में सक्रिय योगदान देने की अपील की। वार्षिक साख योजना की उपलब्धि 46.94 प्रतिशत रहने पर जिलाधिकारी ने असंतोष प्रकट किया। महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र द्वारा बताया गया कि पीएमएफएमई योजना के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य 240 के विरुद्ध अब तक 194 लाभार्थियों को ही लाभ दिया जा सका है, जो लक्ष्य का मात्र 81 प्रतिशत है। इस पर अध्यक्ष महोदय ने चिंता व्यक्त की। वहीं पीएमईजीपी योजना में निर्धारित लक्ष्य 155 के विरुद्ध 191 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया है, जिस पर जिलाधिकारी ने प्रसन्नता व्यक्त की। जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत योग्य एवं लामूक किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराने हेतु विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया। बैठक में यह भी बताया गया कि जिले में कुल 24,875 स्वयं सहायता समूह गठित किए गए हैं, जिनमें से 24,638 समूहों को बैंकों द्वारा प्रथम लिंकेज ऋण प्रदान किया जा चुका है। इस पर सदन ने संतोष व्यक्त किया। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना में बेहतर उपलब्धि पर जिलाधिकारी ने बैंकों को बधाई दी। अटल पेंशन योजना में जिले की उल्लेखनीय प्रगति पर भी उन्होंने प्रसन्नता जाहिर की। बैठक के अंतर्गत जिला स्तरीय आरसेटी सलाहकार समिति की बैठक भी आयोजित की गई। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक श्री राजकुमार सिंह द्वारा बताया गया कि वर्ष 2024-25 में संस्थान द्वारा 1,150 के लक्ष्य के विरुद्ध 1,205 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। वहीं वर्ष 2025-26 में अब तक 263 प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षित किए जा चुके हैं। आगामी 1 जुलाई से 30 दिवसीय ह्लघरेलू विद्युत उपकरण सेवा उद्यमीह्व प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ किया जाएगा, जिसके लिए इच्छुक अभ्यर्थी शीघ्र नामांकन करा सकते हैं। आरसेटी की प्रगति पर जिलाधिकारी ने संतोष व्यक्त किया। बैठक में उप विकास आयुक्त अनन्या सिंह, वरीय उप समाहर्ता (बैंकिंग) बेबी प्रिया, डीडीएम नाबार्ड सुशील कुमार सिंह, आरबीआई पटना के अग्रणी जिला अधिकारी राहुल कुमार, डीबीजीबी के क्षेत्रीय प्रबंधक अरविंद कुमार, पीएनबी के मुख्य प्रबंधक रंजीत कुमार, महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र मो० अफ्फान, जिला पशुपालन एवं गव्य विकास पदाधिकारीगण, ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण केन्द्र के निदेशक एवं जिले के सभी बैंक समन्वयक उपस्थित थे।

एक बुजुर्ग माँ को जीने खाने रहने का अधिकार मिला मानवाधिकार के सहयोग से

दिव्य दिनकर

भागलपुर लगातार पीड़ीत जनता को सहयोग पहूंचा रहे हैं।जी हां वही शरन्य मानवाधिकार के सहयोग से बुजुर्ग मां सरस्वती देवी उम्र लगभग 75 वर्ष को मिला सफलतापूर्वक न्याय बुजुर्ग महिला सरस्वती देवी ने मानवाधिकार के भागलपुर जिला सचिव सुबोध शर्मा जी को अपना आप बीती समस्या से अवगत कराया उन्होंने कहा कि मेरे तीन पुत्र हैं और उनकी तीन पत्नियां है सभी लोग मुझे घर में रहने खाने नहीं देते हैं मारते हैं पीटते हैं और घर से निकाल दिए हैं मैं इस उम्र में कहां जाऊं मेरे बच्चों ने मुझे घर से बाहर निकाल दिया न रहने देते हैं न खाने-पीने देते हैं मैं थक हारकर इस समस्या से थाना को अवगत कराई थाना ने भी मुझे कहा कि आप कोर्ट में केस कीजिए वहां से भगा दिए फिर अंतगतवा मैं मानवाधिकार के शरण में आई जहां इन्हें मानवाधिकार के नेतृत्व में प्रशासनिक मदद एवं परिवार में रहने खाने एवं जीने के लिए तीनों पुत्रों में एवं उनकी पत्नियों में लिखित तौर पर यह तय किया गया कि अब से सभी पुत्र बारी-बारी से अपनी मां को रखेगे खाना भोजन वस्त्र दवाइयां आदि देंगे और अपनी मां का सेवा करेंगे इस प्रकार बुजुर्ग महिला को सभी बेटों के द्वारा सम्मान के साथ घर पर भेजा गया और अब से उनकी मां को देखरेख करने में रखने में कहीं कोई कठिनाई नहीं हो इस दिशा में प्रशासन एवं मानवाधिकार के नेतृत्व में एक बुजुर्ग मां को सफलता पूर्वक सम्मान और न्याय प्राप्त हुआ है जिसमें भागलपुर बब्बर गंज थाना का अहम रोल रहा सहयोग करने में प्रशासन ने बहुत अच्छे से इन परिवारों को एक जुट करने में सहभागिता दिखाई मानवाधिकार संगठन मीडिया प्रभारी रॉकी कुमार जिला सचिव सुबोध शर्मा मनीष कुमार रवि कुमार एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ ईशान सिन्हा सम्मिलित रहे ' ऐसे में इन्हें मंत्री, विधायक बनना तय है। चुकी जनता का प्यार और उनका भरोसा जीत रहे हैं।

समाजिक व सांस्कृतिक संस्था अभिनव कला संगम द्वारा आगामी 26 जून को सैनिक सम्मान सह रक्तवीर सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित होगा

रिपोर्ट – विश्वास चौरसिया

डेहरी (रोहतास) देश के चर्चित समाजिक व सांस्कृतिक संस्था अभिनव कला संगम द्वारा आगामी 26 जून को सैनिक सम्मान सह रक्तवीर सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। इसे लेकर सोमवार कि रात पाली रोड स्थित रघुकुल निवास मे अभिनव कला संगम बैठक हुई। बैठक में अध्यक्ष कमलेश कुमार व सचिव विनय मिश्रा ने कहा कि पिछले 5 जून को संस्था द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था। जिसमें बड़ी संख्या मे रक्त वीरों ने रक्तदान किया था। प्रति वर्ष संस्था द्वारा रक्तदान करने वाले रक्त वीरों को सम्मानित किया जाता है। इसी क्रम मे इस वर्ष भी शहर के पाली रोड स्थित एक निजी होटल मे सैनिक सम्मान सह रक्त वीर सम्मान समारोह का आयोजन किया जाना है, जो संस्था कि गौरव कि बात है। जहां एक और देश की रक्षा के लिएहै सैनिक अपना जान देते हैं, वहीं कई जिंदगियों को बचाने के लिए रक्तबीर अपना खून देते हैं। ऐसे में इस प्रकार के सम्मान समारोह के आयोजन से समाज में एक सकारात्मक संदेश जाता है। सम्मान समारोह कार्यक्रम मे प्रशासनिक अधिकारियों, जन प्रतिनिधियों व समाजिक संगठनो कि भूमिका अहम रहेगी। बैठक मेहै कार्यक्रम कि तैयारी को अंतिम रूप दिया गया। बैठक मे संरक्षक सिमल सिंह, भूपेन्द्र नारायण सिंह, सचिव विनय मिश्रा, निदेशक कौशलेंद्र कुशवाहा, महासचिव प्रोफेसर रणधीर सिंहा, उपाध्यक्ष संजय यादव, मुकुल मणि, रवि तिवारी , आलोक मिश्रा, संजय गुप्ता उर्फ नीलू, मनोज गुप्ता, बैजू गुप्ता समेत अन्य उपस्थित थे।

सत्यचंडी धाम रायपुरा एवं दोमुहान सूर्य मंदिर को कला संस्कृति के कैलेंडर में शामिल किया गया

रिपोर्ट– प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय स्थित प्रसिद्ध शक्तिपीठ एवं तीर्थ स्थल सत्यचंडी धाम महोत्सव एवं औरंगाबाद अंबा रोड में सडसा ग्राम के समीप दोमुहान सूर्य मंदिर महोत्सव को बिहार सरकार के कला संस्कृति विभाग के कैलेंडर में शामिल कर ली गई है।इस आशय की जानकारी देते हुए सत्यचंडी धाम महोत्सव के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह एवं दोमुहान सूर्य मंदिर के अध्यक्ष सिंहेश सिंह ने बताया कि सूर्य राघव मंदिर बडेम के अध्यक्ष, जदयू के प्रदेश उपाध्यक्ष महोत्सव रत्न संजीव कुमार सिंह जी के भागीरथी प्रयास से दोनों ही महोत्सव को कला संस्कृति विभाग के कैलेंडर में शामिल किया गया है।इस मौके पर सत्यचंडी धाम के प्रांगण में आयोजन समिति के सदस्यों द्वारा सम्मान समारोह कार्यक्रम किया गया। जिसमें महोत्सव रत्न संजीव कुमार सिंह,स्थानीय विधायक आनंद शंकर सिंह, वरीय अधिवक्ता सिद्धेश्वर विद्यार्थी को पुष्पहार अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर उपस्थित जिला परिवहन संघ के अध्यक्ष राम सकल सिंह,महोत्सव के उपाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह, न्यास समिति के अध्यक्ष अमरेश सिंह,सदस्य सुरेंद्र सिंह,शैलेंद्र सिंह सहित अन्य उपस्थित थे। महोत्सव के मीडिया प्रभारी सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि सत्यचंडी धाम जिला मुख्यालय से बहुत नजदीक है इसके कैलेंडर में शामिल होने से पर्यटन के क्षेत्र में विशेष बढ़ावा मिलेगा।वहीं दोमुहान सूर्य मंदिर देव सूर्य मंदिर देव के बाद सर्वाधिक भीड़ वाला छठ का पवित्र सूर्य मंदिर है। जहां बटाने नदी के संगम पर लाखों छठ वर्ती छठ करते हैं इससे भी पर्यटन को विशेष बढ़ावा मिलने की संभावना है।

शक्तिपीठ गजना धाम में आयोजित आर्द्रा मेला का किया गया उद्घाटन

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- शक्तिपीठ गजना धाम में आयोजित आर्द्रा मेला का किया गया उद्घाटन, इस अवसर पर गजना धाम को पर्यटन स्थल का दर्जा देने की हुई मांग। गजना धाम में 22 जून 6 से आयोजित आर्द्रा मेला का उद्घाटन समारोह महंत अवधविहारी दास की अध्यक्षता में संपन्न हुई । मुख्य अतिथि और कुशल इंजिनियर अरुण कुमार सिंह, न्यास समिति सदस्य अरुण मेहता, कर्मदेव रजवार, अधिवक्ता संजय सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर मेला का उद्घाटन किया। मुख्य अतिथियों का स्वागत अनील कुमार सिंह और जितेन्द्र लाल ने माल्यार्पण कर किया। तत्पश्चात सचिव सिद्धेश्वर विद्यार्थी ने शक्तिपीठ गजना धाम की ऐतिहासिक गरिमा और धार्मिक महिमा के महत्व पर बोलते हुए कहा कि यह स्थल अति प्राचीन है । इस स्थल से विहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ , मध्यप्रदेश एवं उत्तर प्रदेश के लाखों लोगों का आस्था जुड़ा हुआ है । यहां चैत्र पूर्णिमा, छठ पर्व और आर्द्रा के अवसर पर विशाल मेला लगता है ।22 से 6 जुलाई तक लगने वाला आर्द्रा मेला का वीशेष महत्व है । कारण कि किसान मां गजना का दर्शन कर और उनसे आशीर्वाद लेकर खेती बाड़ी का कार्य शुरू करते हैं । परन्तु उक्त स्थल के महत्व के अनुरूप यहां का विकास नहीं हो पाया है जिससे यात्रियों को भारी परेशानी उठाना पड़ता है । इसके लिए गजना से नवीनगर, गजना से जपला, गजना से टंडवा, गजना से सुल्तानी तक फोर लेन सड़क निर्माण जनहित में विहार और झारखंड सरकार को कराना चाहिए। मुख्य अतिथि इंजिनियर अरुण कुमार सिंह ने न बताया कि इस स्थल को पर्यटन स्थल का दर्जा देते हुए यात्रियों की हर सुविधा मुहैया कराई जाये । समारोह को अधिवक्ता संजय सिंह, भृगुनाथ सिंह ने भी संबोधित किया और बताया कि यहां जो भी मां से सच्चे मन से कुछ मांगता है उसे मिलता है । पुजारी जयनंदन पांडेय, अयोध्या पांडेय, जगन्नाथ मिश्रा और अनुज पांडेय ने मंत्रोच्चार के साथ पुजा पाठ किया। समारोह में बिनोद ठाकुर, दिलीप साव ,मिथिलेशचन्द्रवंशी , गया सिंह , अरुण सिंह, सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

अजहर इस्लाम के जनता दरबार में समस्या लेकर पहुंच रहे लोग. समस्याओं का हो रहा त्वरित समाधान

हर ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के मुंह में बस एक ही नाम गरीबों का सहारा अजहर इस्लाम

रिपोर्ट– अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र के रहे पूर्व एनडीए प्रत्याशी सह समाजसेवी अजहर इस्लाम ने मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत अपने आवासीय कार्यालय जानकीनगर में मंगलवार को जनता दरबार का आयोजन किया. जिसमें पाकुड़ सदर प्रखंड अंतर्गत पृथ्वीनगर पंचायत एवं लखीनारायणपुर गांव से स्थानीय लोगों ने अपनी समस्याओं से अजहर इस्लाम को अवगत कराया कई ऐसी समस्याओं की जानकारी मिलते ही अजहर इस्लाम ने त्वरित संज्ञान में लेते हुए यथासंभव समाधान कराया, इस्लाम ने कहा जनता की हर पीड़ा हमारी अपनी है आपका विश्वास ही हमारी ताकत है उन्होंने आगे कहा मेरे घर का दरवाजा जरूरतमंद, एवं असहाय लोगों के लिए 24 घंटा खुला रहता हैं, जनता की समस्याएं सुनने के बाद अजहर इस्लाम ने सभी ग्रामीणों को भरोसा दिलाते हुए कहा जनता की पीड़ा को सुनना और उनके समाधान के लिए मैं हमेशा पर्यरत हुँ एक जनसेवक का धर्म है की हर समस्या का यथासंभव समाधान हो, जनता का विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक की समस्या को गंभीरता से लिया गया हैं, और संबंधित अधिकारी के समक्ष ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान हेतु राखी जायेगी।

जिले के विभिन्न प्रखंडों के पंचायतों में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का आयोजन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा के निदेर्शानुसार आज दिनांक 24.06.2025 को देवघर, सारवां, देवीपुर, मधुपुर, मोहनपुर, पालोजोरी, सोनारायठाड़ी प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत जनभागीदारी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साथ ही आज आयोजित शिविर में विभिन्न विभागों के द्वारा उपस्थित ग्रामीणों के बीच उनकी समस्याओं का समाधान करते हुए जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के तरीकों से अवगत कराया गया, ताकि आवश्यकता अनुरूप ग्रामीण योजना का लाभ प्राप्त कर सके। इसके अलावा शिविर के माध्यम से वृद्धा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, मुख्यमंत्री मैंय्या सम्मान योजना, विभिन्न प्रमाणपत्र, केसीसी, राशन कार्ड, मनरेगा, आधारकार्ड एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य जांच बीपी, शुगर एवं सिकल सेल जांच किया गया । इसके अलावा विभिन्न प्रखंडो के पंचायत में आयोजित शिविर में प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी , प्रखंड कृषि पदाधिकारी, राजस्व उप निरीक्षक, आकांक्षी प्रखंड फैलो, सीएचओ, सामाजिक सुरक्षा कोषांग के सहायक, जनप्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे।

हेमजापुर पुलिस ने चोरी की मोबाइल 4 घंटे के अंदर किया बरामद

हेमजापुर/मुंगेर। हेमजापुर बाजार स्थित ऐ पी फैशन कपड़े की दुकान का मालिक रोशन कुमार ने सोमवार को अपने दुकान से अज्ञात चोरों द्वारा मोबाइल चोरी की घटना के संबंध में थाने में आवेदन समर्पित किया। आवेदन प्राप्त होते ही पुलिस कार्रवाई में जुट गई और अपने सूत्रों का उपयोग करते हुए चार घंटा के भीतर मोबाइल चोर हेमजापुर चंद टोला निवासी नारायण महतो का पुत्र पप्पू कुमार को मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया। बाद में थाना में प्राथमिक की दर्ज कर आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। हेमजापुर थाना प्रभारी नीरज कुमार ने बताया कि पप्पू कुमार पर लखीसराय जिला के मेदनी चौकी थाना में भी चोरी का केस दर्ज है। और वह इस केस में जेल भी जा चुका है।

परमाणु आपदा का गहराया संकट

>> विचार

“ परमाणु बिजली बनाने के लिए 3-5 प्रतिशत का यूरेनियम संवर्धन पर्याप्त होता है, लेकिन हथियार बनाने के लिए यूरेनियम-235 संवर्धन की जरूरत होती है। यह हमले जिस तादाद में किए गए हैं, उससे बड़े पैमाने पर परमाणु विकिरण रिसाव की आशंका जताई जा रही है। परमाणु बम युद्ध में इस्तेमाल किए जाने वाले पारंपरिक विस्फोटाकों और रसायनों से भिन्न होते हैं। ये बहुत कम समय में बहुत अधिक मात्रा में ऊर्जा छोड़ते हैं, यह ऊर्जा अनेक कड़ियों में रसायनिक प्रक्रियाएं आरंभ कर देती हैं। जो व्यापक और दीर्घकालिक क्षति पहुंचा सकती है। परमाणु हथियार कुछ ही पलों में बड़ी मात्रा में ऊर्जा छोड़ते हैं, जो आसपास के वायुमंडल को लाखों डिग्री सेल्सियस तक गरम कर देती हैं।

प्रमोद भार्गव

ईरान के एक साथ तीन परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले से परमाणु रिसाव होता है तो बहुत बड़े भू-गर्भ और भूमि क्षेत्र पर विकिरण का खतरा पैदा हो सकता है। यह हमला ईरान के परमाणु संवर्धन प्रतिश्ठान फोर्दो, नतांज और इस्फहान पर अत्याधुनिक बी-2 घातक बम गिराए गए हैं। इन बमों को सटीक निषाने पर दागने के लिए अमेरिकी पनडुब्बियों ने पहले दो मिसाइलों से बम गिराए, जिससे बंकर बस्टर बमों के लिए मैदान साफ हो जाए। इसके बाद बमवर्षकों ने आसमान से एक के बाद एक 14 जीबीयू-57 बी बंकर बस्टर दाग दिया। इस पूरे अभियान को नतीजे तक पहुंचाने के लिए अमेरिका ने 15 युद्धक विमानों का इस्तेमाल किया। उपग्रह द्वारा निर्देशित 2400 किलो परमाणु विस्फोटक साथ ले जाने वाला यह बम जमीन में घूमता हुआ 60 मीटर गहराई तक जाने के बाद विस्फोट करके अपने लगक्ष्य को साधने में सफल हो जाता है। अमेरिका ने तीनों ठिकानों पर 14000 किलो विस्फोटक वाले बम गराए हैं। बावजूद ईरान ने हमले को स्वीकारते हुए कहा है कि हमें ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है। लेकिन परमाणु हथियारों में रिसाव होता है तो बड़ी मात्रा में विकिरण फैल सकता है। अमेरिका ने जिन तीन परमाणु स्थलों पर हमला किया है, वह सभी ईरान के प्रमुख यूरेनियम संवर्धन ठिकाने हैं। यहां संयंत्रों में प्राकृतिक यूरेनियम को अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम में बदला जाता है। इसी यूरेनियम को प्रयोग परमाणु बम में किया जाता है। परमाणु बिजली बनाने के लिए 3-5 प्रतिशत का यूरेनियम संवर्धन पर्याप्त होता है, लेकिन हथियार बनाने के लिए यूरेनियम-235 संवर्धन की जरूरत होती है। यह हमले जिस तादाद में किए गए हैं, उससे बड़े पैमाने पर परमाणु विकिरण रिसाव की आषंका जताई जा रही है। परमाणु बम युद्ध में इस्तेमाल किए जाने वाले पारंपरिक विस्फोटाकों और रसायनों से भिन्न होते हैं। ये बहुत कम समय में बहुत अधिक मात्रा में ऊर्जा छोड़ते हैं, यह ऊर्जा अनेक कड़ियों में रसायनिक प्रक्रियाएं आरंभ कर देती हैं। जो व्यापक और दीर्घकालिक क्षति पहुंचा सकती है। परमाणु हथियार कुछ ही पलों

में बड़ी मात्रा में ऊर्जा छोड़ते हैं, जो आसपास के वायुमंडल को लाखों डिग्री सेल्सियस तक गरम कर देती हैं। इस विस्फोट से अनेक प्रकार के विद्युत चुंबकीय विकिरण फैल जाते है, जो अत्यंत घातक होते हैं। हालांकि ईरान के इन ठिकानों में रखे परमाणु हथियारों में विस्फोट की कोई आषंका नहीं है। क्योंकि विस्फोट के लिए परमाणु उपकरणों का सहारा लेना पड़ता है। जो हमलों से संभव नहीं है, लेकिन इनमें रिसाव हो जाता है तो ऐसे में रासायनिक और रेडियोलाजिकल रिसाव दोनों ही संकट में डालने वाले होते है। रेडियोलाजिकल रिसाव 1996 में रूस के चेनोबिल और 2011 में तूफान आने से जापान के फुकुशिमा में हुआ था। अतएव हमलों के कारण परमाणु विकिरण रिसाव की आशंका बनी हुई है। अमेरिका का यह हमला नटखट बालक की जिद की तर्ज पर उस हद से बाहर चला गया है, जो दुनिया के अंतरराष्ट्रीय कानून और अपने ही देश के कानूनों की परवाह नहीं करता है। इसीलिए अमेरिका के भीतर इस परमाणु हमले को लेकर अमेरिकी जनमत विभाजित दिखाई दे रहा है। दरअसल किसी देश पर हमला करने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिकी संसद में हमले का प्रस्ताव लाकर अनुमोदन की जरूरत थी। परंतु उन्होंने इस प्रक्रिया पर अमल नहीं किया। जबकि अमेरिका की ही बात करें तो अप्रैल 2003 में ईराक पर अमेरिका ने सद्दाम हुसैन को सत्ता से बेदखल के लिए हमला किया था तब तत्कालीन राष्ट्रपति बुश ने संसद से मंजूरी ली थी। इसलिए ट्रंप के समर्थकों के साथ विपक्ष भी नाराज है। अंतरराष्ट्रीय कानून परमाणु बम के उपयोग को मानवता के विरुद्ध अमानुशिक कृत्य मानते हैं। इनके उपयोग के बाद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिशद (यूएनएससी) के कठोर आर्थिक व राजनीतिक प्रतिबंधों का सामना भी करना पड़ता है। लेकिन जितनी भी अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं हैं, वे सब अमेरिका या अन्य पश्चिमी देशों के दबाव में रहती हैं। यही देश इन संस्थानों को चलाने के लिए धन मुहैया कराते हैं और इन्हीं देशों के लोग इन संस्थानों के सदस्य होते हैं, इसलिए यहां पक्षपात साफ दिखाई देता है। अतएव ईरान में परमाणु विकिरण फैल भी जाए, तब भी अमेरिका के विरुद्ध कोई प्रतिबंध लगाना असंभव है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने तो कहा है कि यह संघर्ष बड़ा रूप ले सकता है। अतएव संकट का कूटनीतिक हल निकालना जरूरी है। इसलिए ईरान का परमाणु कार्यक्रम रोकना जरूरी है। उसे समझौते के लिए बात करनी चाहिए। दूसरी तरफ ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि अमेरिका ने लक्ष्मण रेखा पार कर ली है, कूटनीति का समय समाप्त हो गया है, अतएव ईरान को अपनी रक्षा करने का अधिकार है। साफ है, तनाव और युद्ध फिलहाल बने रहेंगे। ईरान ने अमेरिकी सहयोग से 1957 में परमाणु कार्यक्रम शुरू किया था। 1970 में परमाणु बिजली घर बना लिया था। 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद अमेरिका ने ईरान को सहयोग करना बंद कर दिया। बावजूद पश्चिमी देश ईरान पर परमाणु बम बना लेने का आरोप लगाते रहे। परमाणु अप्रसार संधि में शामिल होने के बाद भी ईरान पर शंकाएं की जाती रहीं। इजरायल ने जासूसी करके कुछ ऐसे सबूत जुटाए, जिनसे यूरेनियम संवर्धन की आशंका मजबूत हुई। 2000 में वैश्विक परमाणु निरीक्षकों को नतांज में सवंर्धित यूरेनियम मिला। हालांकि ईरान ने पहले संवर्धन रोक दिया था, लेकिन इजरायल की बढ़ती सामरिक क्षमता के चलते उसने गुपचुप परमाणु कार्यक्रम शुरू कर दिया था। इस कारण ईरान पर पश्चिमी देशों ने यह कहते हुए अनेक आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए थे कि ईरान परमाणु बम बनाने के निकट पहुंच गया है। बाद में कई साल चली वार्ता के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने प्रतिबंध हटा लिए थे। इस समझौतें में ईरान को असैन्य यूरेनियम संवर्धन को 3.67 प्रतिशत तक रखना मान्य कर लिया था। लेकिन 2018 में जब डोनाल्ड ट्रंप पहली बार राष्ट्रपति बने तो उन्होंने समझौते से हाथ खींच लिए और ईरान पर कई प्रतिबंध लगा दिए। 2023 में आईएईए ने कहा कि ईरान में 83.7 प्रतिशत शुद्धता के यूरेनियम कर्ण मिले हैं और उसके पास 128.3 किलो संवर्धित यूरेनियम है। मई 2025 में आईएईए ने दावा किया कि ईरान के पास 60 प्रतिशत संवर्धित यूरेनियम की मात्रा 408 किलो है। इससे 9 परमाणु बम बनाए जा सकते है। इसे ही नश्ट करने को लेकर इजरायल ने ईरान पर हमला किया और अब अमेरिका इस लड़ाई में कूंद पड़ा है। अब यह लड़ाई बर्बादी के किस मुकाम पर पहुंचती हैं, कुछ कहा नहीं जा सकता है।

संपादकीय

सफाई की वजह से मजदूरों की मौत

यह एक बड़ी विडंबना है कि आज जब हम अर्थव्यवस्था की ऊंचाइयों को हासिल करने के दावे कर रहे हैं, उसमें आए दिन सीवर की सफाई करते लोगों की मौत की खबरें आती हैं। उत्तर प्रदेश के वृंदावन में सीवर की सफाई करने उतरे दो मजदूरों की मौत ने फिर यही दर्शाया है कि आर्थिक विकास के आंकड़ों की चकाचौंध में समाज के सबसे कमजोर तबकों की फिक्रकरना जरूरी नहीं समझा जाता है। शनिवार को एक ठेकेदार के कहने पर सीवर की सफाई के लिए उसमें उतरे दो मजदूरों की जहरीली गैस की चपेट में आकर मौत हो गई। मामले के तूल पकड़ने के बाद प्रशासन की ओर से इस संबंध में मामला दर्ज किए जाने और मुआवजा देने के आश्वासन जैसी औपचारिकताएं पूरी की गईं। मगर यह समझना मुश्किल है कि इस तरह सीवर की सफाई कराने पर रोक के बावजूद संबंधित सरकारी महकमे आखिर किन वजहों से पारंपरिक तरीकों से सीवर की सफाई और उसमें मरने वालों की त्रासदी की लगातार अनदेखी करते रहे हैं ! आखिर क्या वजह है कि सीवर में सफाई करने उतरे मजदूरों की जोखिम भरी जिंदगी और इस काम में उनके अस्तित्व और गरिमा के सवाल पर सोचना हमें जरूरी नहीं लगता ? इस मसले पर शीर्ष अदालत के स्पष्ट निर्देश और तीखी टिप्पणियों के बावजूद सरकारों ने शायद ही कभी निजी ठेकेदारों के खिलाफ सख्ती बरतने, किसी की जिम्मेदारी तय करने और सीवर में जोखिम भरे हालात में किसी इंसान को उतारने पर रोक को लेकर गंभीरता दिखाई हो। नतीजा यही है कि आजादी के सात दशक बाद आज भी अक्सर सीवर की सफाई के लिए उसमें उतरे मजदूर अपनी जान गंवा रहे हैं। विचित्र है कि एक ओर विज्ञान और तकनीक की उपलब्धियों की बदौलत कृत्रिम मेधा से सभी काम आसान होने और अंतरिक्ष तक में अनुसंधान की नई ऊंचाई छूने के दावे किए जा रहे हैं, दूसरी ओर अमानवीय हालात में कुछ लोगों को अपनी जान जोखिम में डाल कर सीवर में घुस कर उसकी सफाई करनी पड़ रही है। क्या ऐसा इसलिए हो पा रहा है कि इस समस्या के पीड़ित आमतौर पर समाज के सबसे कमजोर तबके से आते हैं ?

राहुल से नहीं आतंकवाद से लड़ें

ब्यूरो

देश के किसी भी दुश्मन से लड़ने का काम, चाहे वह सेना हो या आतंकवादी, सरकार और सेना का होता है। लेकिन देश की सत्ता पर काबिज भाजपा पहलगाम में हुए हमले के जिम्मेदार आतंकियों के साथ लड़ने की बजाय कांग्रेस एवं लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी से लड़ रही है। देश भर में भाजपा ने पूरे देश में मुस्लिमों के खिलाफ़ एक तरह से अभियान छेड़कर भारत का एक विभाजित समाज के रूप में परिचय देने का काम किया है, वहीं राहुल पर हमला कर उसने यह भी संदेश दिया है कि देश में राजनीतिक एकता भी नहीं है। लाजिमी है कि इसका लाभ दुश्मन देश को ही मिलेगा। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को चाहिये कि उसे अपनी इस क्षुद्र लड़ाई को बाद के लिये छोड़ देनी चाहिये। फिलहाल यह देश की सामाजिक व राजनीतिक ऐका दिखाने का वक्त है, न कि यह संदेश देने का कि सियासी दलों को आपसी सिर-फुटौव्वल से लड़ने से ही फुरसत नहीं है। लम्बे समय के बाद राहुल गांधी मंगलवार व बुधवार को अमेठी तथा रायबरेली लोकसभा क्षेत्रों के दौरे पर पहुंचे थे। उनके आने के पहले दोनों जगहों पर उनके खिलाफ़ पोस्टर लगाये गये जिनमें उन्हें 'आतंकियों का साथी' बताया गया तो किसी में उन्हें जातिवाद के आधार पर देश को तोड़ने वाला करार दिया गया। कुछ पोस्टरों में कांग्रेस पर आतंकियों व पाकिस्तान की भाषा बोलने का आरोप लगाया गया है। एक भाजपायी नेता ने अपनी तस्वीर के साथ इस आशय के पोस्टर लगाये कि राहुल व कांग्रेस जातिवाद के आधार पर देश को तोड़ेगी तो भाजपा राष्ट्रवाद के आधार पर जोड़ेगी। भाजपा से इसलिये उम्मीद लगानी स्वाभाविक है क्योंकि केन्द्र सरकार का

नेतृत्व वही करती है। इस नाते उसे इस मसले पर गम्भीर होने की ज़रूरत है, लेकिन जिस प्रकार से इस समय देश के अलग-अलग हिस्सों में मुसलमानों के साथ मारपीट व दुर्व्यवहार हो रहा है, राहुल के साथ उसका सलूक वैसा ही गैर जिम्मेदाराना है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष तथा सांसद अखिलेश यादव के साथ भी कुछ कुछ ऐसी ही बदसलूकी कर रही है क्योंकि सपा के साथ बड़ी तादाद में मुसलमान हैं तथा भाजपा उनके खिलाफ है। देश के अनेक राज्यों से मुसलमानों को धमकियां देने, उनके साथ मारपीट करने, कश्मीरी छात्रों को शहर छोड़कर जाने की धमकियां देने तथा एक-दो हत्याओं से लगता है कि उग्र राष्ट्रवाद को इन सबसे संतोष नहीं मिल रहा है। सो आलोचना की तोप राहुल की तरफ़ मोड़ दी गयी है। जातिवाद के जरिये राहुल-कांग्रेस पर देश को तोड़ने का आरोप दरअसल उनकी जातिगत जनगणना की मांग से जुड़ा है। हालांकि बुधवार को हुई केबिनेट बैठक में सरकार ने फैसला लिया है कि वह जातिगत जनगणना कराएगी। मगर अपनी बौखलाहट में राहुल पर आक्रमण करती भाजपा को भूलना नहीं चाहिये कि राहुल व कांग्रेस परिवार के दो लोगों की हत्याएं आतंकवादियों ने ही की हैं। भाजपा के जो लोग इस पोस्टर वॉर का हिस्सा हैं या उसे अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन दे रहे हैं, वे इस बात को भी भूलते हैं कि विपक्षी नेताओं में सबसे पहले राहुल तथा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ऐलान किया था कि वे सरकार के साथ पूरी तरह से खड़े हैं और सरकार जो भी निर्णय लेगी, वे उसका समर्थन करेंगे। राहुल ने ही सबसे पहले कश्मीर का दौरा किया और साफ किया कि चाहे जो चूक हुई हों, वे सरकार से अभी कोई सवाल नहीं करेंगे। इसके बरक्स प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रवैये से निराशा हुई है। सऊदी अरब का दौरा छोड़कर लौटे मोदी से उम्मीद थी कि वे तुरन्त कश्मीर जायेंगे। उनसे यह भी अपेक्षा थी कि वे सर्वदलीय बैठक का नेतृत्व करेंगे। आश्चर्य ही नहीं यह दुख की बात है कि उन्होंने बैठक में भाग लेने की बजाय बिहार की रैली में जाना उचित समझा जहां इस वर्ष के अंत में विधानसभा चुनाव होने जा रहा है। इतना ही नहीं, कार्यक्रम के मंच पर उनके तथा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की हंसी-ठिठोली करते वीडियो सामने आये थे जो इस बात को साबित करने के लिये काफी हैं कि उन्होंने इस घटना को कितने हल्के में लिया है। अलबत्ता, उन्होंने मृतकों के प्रति संवेदना स्वरूप सभी से कुछ पलों का मौन धारण कराया था। जनता को यह भी उम्मीद थी; और अब भी है कि वे संसद के दोनों सदनों का कम से कम एक दिन का विशेष सत्र बुलायें जिसमें वे सरकार के कदमों की देश को जानकारी दें। उन्हें देशवासियों को आश्वस्त करना चाहिये कि आईंदा ऐसी दुखद घटनाएं न हों उसके लिये सरकार पुख्ता कदम उठायेगी। राष्ट्र के नाम टीवी पर वे संदेश तो दे ही सकते थे, लेकिन उन्होंने इस विषय के लिये हर माह के अंतिम रविवार को प्रसारित होने वाले अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' को चुना। एक ओर तो सरकार अपने कर्तव्यों से पूरी तरह से सायास विमुख रही है तो वहीं दूसरी ओर विपक्ष, खासकर राहुल जिम्मेदार नेता की तरह बर्ताव कर रहे हैं। ऐसे में उन पर हमला तर्कसंगत नहीं है।

जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) प्रवेश परीक्षा कक्षा 6 की तैयारी कैसे करें

विजय गर्ग

जवाहर नवोदय विद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए माता-पिता और छात्रों द्वारा एक पसंदीदा स्कूल है। प्रवेश के लिए, छात्रों को जेएनवीएसटी प्रवेश परीक्षा पास करने की आवश्यकता है यह छात्रों की मानसिक क्षमता, अंकगणित (गणित) और भाषा की समझ का परीक्षण करता है। जेएनवी प्रवेश परीक्षा कक्षा 6 2 घंटे लंबी है और इसमें 80 एमसीक्यू आधारित प्रश्न हैं। ये स्कूल सीबीएसई पाठ्यक्रम का पालन करते हैं और छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए अच्छे बुनियादी ढांचे और सुविधाएं प्रदान करते हैं। इसलिए उच्च प्रतिस्पर्धा है। प्रवेश के लिए उच्च प्रतियोगिता से आगे निकलने के लिए जेएनवी प्रवेश कक्षा 6 की तैयारी करने का तरीका जानने के लिए इस लेख का पालन करें। हर साल जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) में कक्षा 6 में प्रवेश के लिए लाखों छात्र आवेदन करते हैं। कक्षा 5 में लगभग 25 लाख बच्चे जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा हर साल लेते हैं। हालांकि, हर एक जेएनवी स्कूल में केवल लगभग 80 सीटें उपलब्ध हैं, और लगभग 2,87,967 छात्रों को नवोदय विद्यालयों में स्वीकार किया जाता है। सीमित संख्या में सीटों के लिए प्रतिस्पर्धा करने वाले आवेदकों की इतनी बड़ी संख्या के साथ, आपके लिए यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण हो जाता है कि आपका बच्चा जेएनवी प्रवेश परीक्षा के लिए उचित मार्गदर्शन और तैयारी प्राप्त करे। जेएनवी नवोदय प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए, कक्षा 6 के छात्रों को सही रणनीतियों का पालन करना चाहिए, संदेह को हल करना चाहिए, और परीक्षा को खाली करने के लिए पिछले वर्ष के प्रश्न पत्र का प्रयास करना चाहिए। कक्षा 6 की तैयारी के लिए जेएनवी प्रवेश परीक्षा को आसान बनाने के लिए, कुछ चरणों और युक्तियों का उल्लेख नीचे किया गया है, जो तैयारी के लिए विभिन्न बिंदु हैं। जेएनवी प्रवेश परीक्षा कक्षा 6 को क्रैक करने के लिए चरण-दर-चरण मार्गदर्शिका का पालन करें। 1 नवोदय परीक्षा पैटर्न को समझें जेएनवी परीक्षा पैटर्न को समझना कक्षा 5 के उन छात्रों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है जो नवोदय कक्षा 6 में प्रवेश लेना चाहते हैं। अनुभाग- प्रश्न पत्र को तीन खंडों में विभाजित किया गया है:मानसिक क्षमता परीक्षण अंकगणित परीक्षण भाषा परीक्षण टेस्ट अवधिः पूरी परीक्षा 2 घंटे और 30 मिनट तक चलती है। अधिकतम अंकः परीक्षा के लिए कुल अधिकतम अंक 200 हैं। भाषाः वर्ष 2025 के लिए एनवीएस कक्षा 6 की परीक्षा तीन भाषाओं - अंग्रेजी, हिंदी और प्रत्येक राज्य की संबंधित क्षेत्रीय भाषाओं में आयोजित की जाएगी।

मानसिक क्षमता परीक्षण : 80 अंक अंकगणित परीक्षण, 40 अंक भाषा परीक्षण, 80 अंक 2.। सिलेबस पूरा करें जेएनवी कक्षा 6 प्रवेश परीक्षा के लिए परीक्षा पैटर्न को समझें, जेएनवी पाठ्यक्रम के माध्यम से सावधानीपूर्वक जाना महत्वपूर्ण है। चूंकि परीक्षा के प्रश्न कक्षा 5 के पाठ्यक्रम पर

आधारित हैं, इसलिए आपके पास पहले से ही अपने पिछले वर्ष के अध्ययनों से एक अच्छी नींव है। अपनी ताकत और कमजोरियों की पहचान करने और तदनुसार तैयार करने के लिए यहां कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए हैं।

पाठ्यक्रम को संशोधित करें: सभी तीन वर्गों के लिए पाठ्यक्रम के माध्यम से जाएं - मानसिक क्षमता परीक्षण, अंकगणित परीक्षण और भाषा परीक्षण। प्रत्येक अनुभाग में शामिल विषयों के साथ खुद को परिचित करें।

अपने ज्ञान का मूल्यांकन करें: जैसा कि आप पाठ्यक्रम की समीक्षा करते हैं, अपना आकलन करें प्रत्येक विषय की समझ। उन क्षेत्रों की पहचान करें जहां आप आत्मविश्वास महसूस करते हैं और जिन्हें आप चुनौतीपूर्ण पाते हैं।

एक सूची बनाएं: अपने मजबूत और कमजोर क्षेत्रों की एक सूची बनाएं। यह आपको अपनी तैयारी को प्राथमिकता देने और आपके साथ संघर्ष करने वाले विषयों के लिए अधिक समय आवंटित करने में मदद करेगा।

कमजोर क्षेत्रों के लिए मदद लें: उन विषयों के लिए जिन्हें आप मुश्किल पाते हैं, अपने शिक्षकों, या माता-पिता से मदद लेने में संकोच न करें, या कोचिंग संस्थान में शामिल होने पर विचार करें। वे आपको अतिरिक्त सहायता, अभ्यास सामग्री और मार्गदर्शन प्रदान कर सकते हैं।

अपनी ताकत का अभ्यास करें: अपनी कमजोरियों पर ध्यान केंद्रित करते समय, अपनी ताकत की उपेक्षा न करें। अपनी प्रवीणता बनाए रखने के लिए उन विषयों का अभ्यास करना और उन्हें सुदृढ़ करना जारी रखें जो आप अच्छे हैं। 3 जेएनवी प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन कक्षाएं लें जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) प्रवेश परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्रों के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन की गई सस्ती ऑनलाइन कक्षाएं। अनुभवी संकाय, एक व्यापक पाठ्यक्रम, इंटरैक्टिव सत्र, व्यक्तिगत ध्यान और नियमित मूल्यांकन के साथ, ये ऑनलाइन कक्षाएं छात्रों को प्रतिस्पर्धी जेएनवी परीक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए विशेषज्ञ मार्गदर्शन और एक लचीला सीखने का माहौल प्रदान करती हैं। 4 प्रैक्टिस जेएनवी पिछले साल के प्रश्न पत्र नमूना पत्रों के साथ अभ्यास करना वास्तव में जेएनवीएसटी (जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा) परीक्षा की तैयारी का सबसे अच्छा तरीका है। नमूना पत्रों को हल करने से कई लाभ मिलते हैं।

प्रश्न पैटर्न के साथ परिचित : नमूना पत्र छात्रों को वास्तविक परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों के प्रकारों से परिचित कराते हैं, जिससे उन्हें प्रारूप और संरचना को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलती है। समय प्रबंधनः समयबद्ध परिस्थितियों में नमूना पत्रों के साथ अभ्यास करने से छात्रों को समय प्रबंधन कौशल विकसित करने में मदद मिलती है, जिससे वे दिए गए समय सीमा के भीतर कुशलतापूर्वक प्रश्नों का उत्तर दे सकते हैं। ताकत और कमजोरियों की पहचान करनाः नमूना पत्रों को हल करके, छात्र अपने मजबूत और कमजोर क्षेत्रों की पहचान कर सकते हैं, जिससे वे तदनुसार अपनी तैयारी के प्रयासों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।

आत्मविश्वास को बढ़ावा देनाः नमूना पत्रों के साथ नियमित अभ्यास छात्रों के आत्मविश्वास को बढ़ाता है और परीक्षा की चिंता को कम करता है, क्योंकि वे परीक्षा के माहौल के साथ अधिक सहज हो जाते हैं।

गति और सटीकता में सुधार : नमूना पत्रों को बार-बार हल करने से छात्रों को सवालों के जवाब देने में अपनी गति और सटीकता में सुधार करने में मदद मिलती है, जो प्रतिस्पर्धी जेएनवीएसटी परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए महत्वपूर्ण है। 5 विषय और सिलेबस संशोधन जेएनवी प्रवेश परीक्षा सहित किसी भी परीक्षा के लिए प्रभावी तैयारी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। किसी विषय या अनुभाग को पूरा करने के बाद, अगले एक पर जाने से पहले दैनिक समीक्षा करना सुनिश्चित करें। आपके द्वारा सीखी गई अवधारणाओं की अपनी समझ की जांच करने के लिए आप अपने स्वयं के अभ्यास प्रश्न या मिनी-परीक्षण बना सकते हैं।

(विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल, शैक्षिक स्तंभकार, प्रख्यात शिक्षाविद्, गली कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब)

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक , प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा न्यू लोक भारती प्रेस, वार्ड 10 कोकर औद्योगिक क्षेत्र कोकर रांची से मुद्रित तथा ई -37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित, संस्थापक संपादक :स्व. राधाकृष्ण चौधरी
प्रबंध संपादक : अरूण कुमार चौधरी, फोन: 9471170557/08084674042, ई-मेल : Divyadinkarranchi @ gmail.com,RNI Regd. No. : JHAHIN/2013/54373Postal Registration No. : RN-11/2012)

संक्षिप्त समाचार

मोटर दुर्घटना वाद -13/16 के निर्णय पर 380000(लाख) रुपए कोर्ट ने मुआवजा देने का आदेश दिया

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- व्यवहार न्यायालय के जिला जज चतुर्थ न्यायधीश आंनद भुषण ने मोटर दुर्घटना वाद -13/16 में निर्णय पर सुनवाई करते हुए बोलेरो गाड़ी संख्या -बी आर 2एफ /4213 के गाड़ी मालिक को आदेश दिया है कि मृतक के परिजनों को 3799600 रूपए मुआवजा और वाद प्रस्तुत तिथि से 6% ब्याज दें, अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि मोटर दुर्घटना वाद के आवेदिका नितु कुंवर सरेया गोह ने 17/03/16 को बोलोरो गाड़ी मालिक और डाईवर पर मोटर दुर्घटना वाद दायर किया था जिसमें कहा था कि मेरे पति जयराम सिंह उम्र 32 वर्ष, जो चंडी इंटरप्राइजेज न्युज एरिया औरंगाबाद में 18500 रूप्रति माह में काम करते थे वे 14/12/15 को बाईक से देवहरा से सरेया गोह आ रहे थे तब तेजी और लापरवाही से आ रही बोलोरो ने जबरदस्त धक्का मार दिया जिससे मेरे पति बुरी तरह से जख्मी हो गए और घटना स्थल पर ही उनकी मृत्यु हो गई थी, आवेदिका के अधिवक्ता ने कहा कि मृतक एकमात्र कमाऊ सदस्य थे, आवेदिका के अलावा तीन पुत्री और दो पुत्र उनपर आश्रित थे, उनके बिना 15 बिघा खेत पर खेती बाधित है, विपक्षी के अधिवक्ता ने भी अपनी दलील रखी, नेशनल इंश्योरेंस कंपनी ने कहा कि बीमावधि भी नवंबर 15 तक का था, घटना दिसंबर 15 में थी,न्यायधीश ने दोनों पक्षों को सुनने के पश्चात गाड़ी मालिक को मुआवजा तीन माह में देने का आदेश दिया है।

ग्रामीण कार्य विभाग की योजनाओं की उपायुक्त हेमंत सती ने की समीक्षा

साहिबगंज:

उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमण्डल अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागीय कार्यों की प्रस्तुति पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन (PPT) के माध्यम से की गई, जिसमें वित्तीय वर्ष 2022-23 के पूर्ण एवं अपूर्ण कार्यों के साथ-साथ 2023-24 में लंबित योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई।उपायुक्त ने विभागीय अभियंताओं को निर्देश दिया कि लंबित योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए तथा गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कार्यों में अनावश्यक विलंब किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं होगा।बैठक में कार्यपालक अभियंता ग्रामीण कार्य विभाग देवी लाल हांसदा, कनीय अभियंता एवं सहायक अभियंता समेत अन्य तकनीकी पदाधिकारी उपस्थित थे। अधिकारियों ने जिले में चल रही योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा भविष्य की कार्ययोजनाओं पर भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी।उन्होंने कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग कर साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश भी संबंधित पदाधिकारियों को दिया।

एसबीआई ने 70वां स्थापना दिवस मनाया।

सं, सू पंकज कुमार ठाकुर।

चांदन(बांका)एसबीआई ने आज मंगलवार को बैंक का 70वां स्थापना दिवस शाखा प्रबंधक निवेदिता,केशियर मुकेश कुमार,फिल्ड ऑफिसर योगेन्द्र प्रसाद आदि बैंक कर्मी ने ग्राहकों के साथ संयुक्त रूप से केक काटकर मनाया गया।भारतीय स्टेट बैंक के शाखा प्रबंधक निवेदिता ने बताया कि पहली जुलाई वर्ष 1955 को भारतीय स्टेट बैंक की स्थापना हुई थी। साथ ही उन्होंने कहा कि भारतीय स्टेट बैंक उपभोक्ताओं को सुविधाजनक व बेहतर सेवाएं देने के लिए प्रयासरत हैं।और बैंक के उपभोक्ता बेहतर सेवाएं पा सके इसके लिए हर स्तर पर निगरानी हो रही है।एसबीआई बैंक उत्कृष्ट सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है।उन्होंने आम जनमानस का आह्वान किया कि उत्कृष्ट सेवाओं के लिए वे भारतीय स्टेट बैंक के साथ जुड़े और अपने सपनों को हकीकत में बदलने के लिए अपनी निकटतम एसबीआई शाखा से संपर्क करें।मौके पर सीएससी संचालक नंदन तिवारी,शिवम कुमार, निरंजन कुमार,मदन कुमार प्रमाणिक, सुरक्षा कर्मी ज्ञानेश्वर मांझी सहित सभी बैंक कर्मी मौजूद थे।

नशा मुक्ति के लिए जागरूकता रैली निकाली गई

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर देवघर नगर निगम के क्षेत्र स्तर संघ के महिला सदस्यों द्वारा जागरुकता रैली निकाली गई छतिसी ,बत्तीसी , तेतिसी ,रामपुर, महेशमारा मोहल्ले के विभिन्न जगहों पर जाकर लोगों को मादक पदार्थ के खिलाफ जागरुकता अभियान चलाया गया एवं शपथ दिलाई गई बताते चलें कि नगर आयुक्त रोहित कुमार सिन्हा के द्वारा निर्देशित किया गया जिसमें विभिन्न वार्डों में एसएससी महिलाओं के द्वारा जागता भजन चलाया जा रहा है मोके पर नगर मिशन प्रबंधक कौशल किशोर, हिमांशु शेखर, सामुदायिक संगठनकर्ता कुमारी अलका सोनी, सामुदायिक संसाधन सेवी रीता देवी, सुषमा देवी, प्रतिमा,खुशवु, अनिता, कंचन, मिट्ठू पाल , श्रुति कुमारी , ममता कुमारी , सुनीता देवी, एवं सोनी कुमारी मां वैष्णवी और सर्वभूमिका , महिला स्वावलंबी संगठन के वार्ड नंबर 24, 25 की सदस्यों द्वारा जागरुकता रैली निकाली गई

भाजपा नेता सत्यप्रकाश सिंह के पिता के श्राद्ध कार्यक्रम में भाजपा नेता राकेश सिंह पहुंचे

पटना , ।

सोनपुर प्रखंड के भरपुरा मे भाजपा नेता सत्यप्रकाश सिंह के पिता स्वर्गीय सीतराम सिंह के श्राद्ध कार्यक्रम मे भाजपा नेता प्रदेश कार्य समिति सदस्य राकेश सिंह ने पहुंच कर उनके तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष दीपक शर्मा भाजपा नेता सत्यन्दर सिंह भाजपा नेता हेम नारायण सिंह उपेंद्र सिंह पंचायत समिति रंजीत सिंह पूर्व मुखिया तृप्तिपीनाथ सिंह रमाकांत सिंह दीपक सिंह आदित्य छोटू टुनटुन सिंह भानु सिंह शिवम कुमार राजू सिंह ऋषिकेश पाण्डेय सहित अनेक लोग उपस्थित थे।सत्यप्रकाश सिंह ने भाजपा नेता राकेश सिंह को समानित किया ।

शहीद संतोष यादव के गांव में सड़क खस्ताहाल, यदुवंशी महासभा की ओर से सड़क निर्माण को लेकर फिर उठी मांग

शहादत के एक महीने बाद भी सरकार ने शाहिद के गांव की सड़क निर्माण पर नहीं दिया ध्यान

मुंगेर/भागलपुर।

जम्मू में करीब एक महीने पूर्व आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई में शहीद हुए हवलदार संतोष यादव की शहादत पर दिखावटी आंसू बहाने के लिए तो दर्जनों नेता पहुंचे होंगे मगर किसी नेता ने ना तो शहीद संतोष यादव के बच्चों की बेहतर शिक्षा दीक्षा को लेकर अपने हाथ बढ़ाए होंगे और ना ही शहीद संतोष यादव के गांव के विकास को लेकर किसी नेता मंत्री ने अपनी ओर से कोई प्रयास किया है। यह दावा है यदुवंशी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक कुमार यादव का, जिन्होंने बीड़ा उठाया है शहीद हवलदार संतोष यादव के बच्चों के सम्पूर्ण शिक्षा का खर्च वहन करने का। भागलपुर जिला अंतर्गत सबौर प्रखंड के नया टोला मीराचक बरारी पंचायत के वार्ड संख्या 3 निवासी सेना के शहीद हवलदार संतोष यादव के परिजनों से मुलाकात करने पहुंचे यादव नेता अभिषेक कुमार यादव ने कहा कि आज के दौर में शहीद जवानों को भी सच्ची श्रद्धांजलि देने वाला कोई नहीं है। नेता आते हैं अपनी राजनीति चमकाने व अपनी वोट बैंक बनाने के लिए और फिर शहीदों के जनाजे पर झूठी हमदर्दी के दो आंसू छलकाकर चले जाते हैं। जिसका जीता जगता उदाहरण है सबौर प्रखंड के नया टोला मीराचक बरारी पंचायत के वार्ड संख्या 3 स्थित शहीद हवलदार संतोष यादव के गांव का जर्जर सड़क, जिस सड़क का निर्माण

हवलदार संतोष यादव के शहादत के बाद जब उनका पार्थिव शरीर उनके गांव आ रहा था, उनके पार्थिव शरीर के गांव पहुंचने से पहले इस खस्ताहाल सड़क का निर्माण हो जाना चाहिए था। यदि इस गांव में किसी विधायक या मंत्री या मुख्यमंत्री का प्रोग्राम तय होगा तो पूरा प्रशासन रातों रात सड़क निर्माण में जुट जाएंगे। लेकिन शहीद हवलदार के गांव की सड़क निर्माण को लेकर उनके शहादत के एक महीने बाद भी सरकारी महकमे की नींद नहीं खुली है। शहीद हवलदार की पत्नी साधना देवी, स्थानीय ग्रामीण डॉ सुरेश कुमार, उर्मिला राज, स्वीटी देवी, काजल कुमारी, दीक्षा कुमारी, डीपी कुमारी, सीता कुमारी, इशिता, दुर्गा कुमारी, मिस्टी कुमारी, खुशबू कुमारी, पूजन कुमारी, अनुज कुमारी, खुशी कुमारी, मुस्कान कुमारी, अनीता देवी, रूबी देवी, बबीता देवी कंचन कुमारी, सरगम देवी, अशोक यादव, विकास यादव, मिथुन यादव, सीताराम, मुकुंदी मंडल, शानू शर्मा, अनुज शर्मा, सुभाष यादव, अभिनव यादव, बृजेश यादव, रोहित कुमार, लक्ष्य कुमार आशीष कुमार, बैजू मंडल, गुण सागर कुमार, नरसिंह ऋषिदेव, गोपाल ऋषिदेव, राजू

ऋषिदेव, सरगुन मंडल, राजू मंडल, उद्धव मंडल, कोदो मंडल, वकील मंडल, सीताराम यादव, चंद्रशेखर मंडल, जीतन मंडल, घोली मंडल ने राज्य सरकार से मांग करते हुए कहा कि जल्द से जल्द सड़क का निर्माण कराया जाए अन्यथा शहीद के अपमान का दंश सरकार को झेलना पड़ेगा। मौके पर जिला अध्यक्ष नीरज यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष सत्यजीत यादव, चंद्रमा प्रसाद, राष्ट्रीय महासचिव सुरेश प्रसाद यादव, प्रोफेसर अजय कुमार यादव मौजूद थे।

आनंदमागीयों को गिरफ्तार करने की योजना इमरजेंसी के 6 महीना पहले से ही बनाई जा रही थी

25 जून आपातकाल को आनंद मार्गी काला दिन के रूप में याद करते हैं

आनंद मार्ग पर अत्याचार के विरोध भारत देश के अलावा विदेश में भी एक दर्जन से भी ज्यादा देशों के दूतावासो पर साधु संन्यासियों ने किया आत्मदाह

आपातकाल में सरकारी नौकरी में काम करने वाले लोगों को कानूनी कार्रवाई का भय दिखलाकर आनंद मार्ग छोड़ देने के लिए कहा गया था

जमालपुर।

25 जून 1975 को लगाए गए आपातकाल के विरोध में काला दिवस के रूप में मनाते हैं । आनंद मार्ग प्रचारक संघ के आचार्य रघुरामानंद अवधूत ने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने लोकतंत्र पर काला धब्बा लगाते हुए पूरे देश में आपातकाल की घोषणा की थी।

आपातकाल के बाद नागरिकों के मूल अधिकार स्थगित हो गया। 25 जून 1975 को पूरे भारतवर्ष में इमरजेंसी लगा दिया गया। आनंदमार्ग के लगभग एक सौ से भी ज्यादा संगठनों को बैंड कर दिया गया ,अनुयायियों को जेल भेजा गया एवं उन पर सबसे ज्यादा अत्याचार किया गया। बिहार के बांकीपुर जेल में आनंद मार्ग के गुरु संस्थापक भगवान श्री श्री आनंदमूर्ति जी को चिकित्सा के नाम पर जहर दिया गया वे आध्यात्मिक शक्ति के कारण वह इस जहर को सहन कर सके परंतु पूरा शरीर सिकुड़ गया सभी दांत झड़ गए। उसी समय से बाबा एकदम कमजोर हो गए। इन सब अत्याचारों के विरोध में देश-विदेश में आनंदमागीयी ने आत्मदाह कर अपना विरोध जताने लगा। विदेश में कई देश के दूतावासों के पास सन्यासियों एवं सन्यासिनियों ने आत्मदाह किया । वरिष्ठ पत्रकार कूमी कपूर की पुस्तक ₹द इमरजेंसी ₹में लिखकर बताया है कि आनंदमागीयों को गिरफ्तार करने की योजना इमरजेंसी के 6 महीना पहले से ही बनाई जा रही थी। सिद्धार्थ शंकर रे जो कि पश्चिम बंगाल के तत्कालीन मुख्यमंत्री थे एवं तत्कालीन प्रधानमंत्री

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

ग्राम- कोंकरी बाक पंचायत कोंक्रीबाँक में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जसीडीह के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ बिश्वनाथ चौधरी के आदेशा अनुसार स्वास्थ्य शिविर लगाया गया जिसमे ग्रामीण वासियों को सिकल सेल जांच,बीपी,सुगर,टीबी एवं मलेरिया जांच किया गया एवम आवश्यकता अनुसार दवा भी दिया गया इस शिविर में में निम्नलिखित स्वास्थ्य कर्मी ने भाग लिया एमपीडब्लू रामाकांत मेहराृ्ङ्क सुमंती एक्का एएनएम तरुणलता कुमारी,बबीता कुमारी एवं कोंकरी बाक पंचायत के सभी सहिया ने भाग लिया

कांग्रेस ने किया संगठन सृजन के तहत बैठक आयोजित

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

गुरुवार दिनांक 26 जून 2025 को कांग्रेस का संगठन सृजन तहत देवघर जिला के सभी प्रखंड,नगर,मंडल अध्यक्षों एवं प्रखंड तथा नगर पर्यवेक्षकों की एक बैठक 10:30 बजे दिन में कुंडा स्थित लङ्क्षश्' टं२३ाीा री'ीू३ङ्ख्ल्ल र्टीं स्त्र'९ के सभागार में आयोजित की गई है।इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कार्य समिति के स्थाई सदस्य एवं झारखंड कांग्रेस के प्रभारी के.राजू ,झारखंड कांग्रेस के-सह-प्रभारी डॉ प्रसाद सिरिबेला,झारखंड प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, मंत्री डॉ इरफान अंसारी, पूर्व मंत्री बादल पत्रलेख के साथ जिला के पर्यवेक्षक अजय दुबे मुख्य रूप से भाग लेंगें। इसकी तैयारी को लेकर देवघर जिला कांग्रेस के प्रमुख

पदाधिकारियों की एक विशेष बैठक कांग्रेस कार्यालय में जिलाध्यक्ष प्रो उदय प्रकाश की अध्यक्षता में की गई। बैठक में जिलाध्यक्ष प्रो उदय प्रकाश ने तय कार्यक्रम के अनुरूप बताया कि उक्त निर्धारित कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश का देवघर आगमन 25 जून 2025 को शाम में हो जाएगा तथा रात्रि विश्राम देवघर परिसदन में करेंगें। वहीं प्रदेश प्रभारी के.राजू का आगमन 26 जून 2025 को 11:00 बजे देवघर एयरपोर्ट पर होगा तथा-सह-प्रभारी डॉ प्रसाद सिरिबेला का आगमन 2:00 बजे देवघर एयरपोर्ट पर ही होगा। उन्होंने जिला के सभी नेताओं, पदाधिकारियों तथा कार्यकताओं को निर्देशित करते हुए कहा है कि अपने मुख्य अतिथियों के आगमन पर उनके स्वागत हेतु भारी संख्या में अपने सहयोगी साथियों के साथ निर्धारित स्थान पर उपस्थित होने का कष्ट करेंगें। साथ ही प्रदेश अध्यक्ष के निर्देशानुसार संगठन सृजन के तहत आयोजित उक्त बैठक में सिर्फ प्रखंड,नगर,मंडल अध्यक्ष एवं प्रखंड तथा नगर पर्यवेक्षक बैठक स्थलअनिर्धारित समय पर पहुंच कर बैठक को सफल बनाऐंगें। तैयारी बैठक में मुख्य रूप से जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष डॉ मुन्नम संजय ने बैठक को सफल बनाने हेतु आवश्यक सुझाव दिए। इस दौरान जिला महासचिव -सह-प्रवक्ता दिनेश कुमार मंडल,नगर अध्यक्ष रवि केसरी,युवा जिलाध्यक्ष कुमार राज,सोसल मीडिया प्रभारी अमित पांडेय, युवा नेता आफताब आलम,धर्मेंद्र सिंह, कुमार बाबा आदि मौजूद थे।

भाजपा ने राज्यव्यापी कार्यक्रम के तहत देवघर प्रखंड में किया आक्रोश प्रदर्शन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

भाजपा राज्य व्यापी कार्यक्रम के तहत हेमंत सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार,ध्वस्त कानून व्यवस्था, लचर बिजली पानी की व्यवस्था, अवैध बालू पत्थर कोयला की लूट और बेरोजगारी के विरोध में प्रखंड स्तरीय आक्रोश प्रदर्शन देवघर प्रखंड में। भारतीय जनता पार्टी के द्वारा देवघर प्रखंड में देवघर नगर जसीडीह नगर देवघर प्रखंड एवं मानिकपुर सिमरा मंडल के अध्यक्ष धनंजय खवाड़े ईश्वर राय संजय राय विष्णु रावत के नेतृत्व में एकदिवसीय विरोध प्रदर्शन का कार्यक्रम देवघर अनुमंडल कार्यालय में हुआ इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री राज पलिवार ने कहा जिस प्रकार झारखंड की जनता ने विश्वास कर हेमंत सोरेन को कुर्सी पर बिठाया जो जो वादे कर कर यह सत्ता में आई एक भी वादा को पूरा नहीं किया चारों तरफ भ्रष्टाचार से घिरी यह सरकार है हेमंत सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार,ध्वस्त कानून व्यवस्था, लचर बिजली पानी की व्यवस्था, अवैध बालू पत्थर कोयला की लूट और बेरोजगारी जिस प्रकार झारखंड में चरम सीमा पर है भारतीय जनता पार्टी पूर्व जोर विरोध करती है मैं यह विरोध प्रदर्शन के माध्यम से विभागीय पदाधिकारी को खुले मंच से बता देना चाहता हूं जनता का काम ईमानदारी पूर्वक कीजिए जनता को ज्यादा परेशान मत कीजिए जनता का काम नहीं करने पर हम आप सभी पदाधिकारी के विभाग की ईट से ईट बजा देने का काम करेंगे आप सभी जनता जनार्दन से एक बात करना चाहता हूं अब समय आ गया है इस सरकार को उखाड़ फेंकने का विरोध प्रदर्शन के बाद अनुमंडल पदाधिकारी को मनोरंडम दिया गया इस विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित प्रदेश कार्य समिति सदस्य रिता चौरसिया पूर्व जिला अध्यक्ष नवल राय चंद्रशेखर खवाड़े सचिन सुल्तानिया विजया सिंह निरंजन देव धनंजय खवाड़े संजय राय ईश्वर राय विष्णु रावत विपिन देव अशोक सिंह सत्येंद्र सिंह मिथिलेश माधव निर्मल मिश्रा मनोज भार्गव अजीत सिंह ओंकार दास प्रेम शंकर राय ललन दुबे अमरजीत दुबे प्रमोद राय उचित राय अलका सोनी संध्या कुमारी रामदेव दास एवं भारतीय जनता पार्टी के सैकड़ो कार्यकर्ता मुख्य रूप से उपस्थित थे

इग्नू में नामांकन, रिरजीस्ट्रेशन और परीक्षा साथ साथ चल रही है

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

समन्वयक डॉ जानकी नंदन सिंह ने बताया कि इग्नू में जुलाई सत्र के नामांकन की अंतिम तिथि 15 जुलाई 25 तक है । साथ ही री रजिस्ट्रेशन भी चालू है,जिसकी अंतिम तिथि 30 जून ,25 तक है। इग्नू एक अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय है जो नेक द्वारा ए ++ ग्रेडेड है और ज्ञान उपार्जन के लिए भारत मेंपीपुल यूनिवर्सिटी है।इग्नू में समय पर सत्र संचालन एवं परीक्षाएं संपन्न की जाती हैं, जिसके कारण संस्था द्वारा अनेकों कोर्सेज समय से पूरा होकर छात्रों को लाभ पहुंचता है । छात्रों को सर्वोत्तम स्टडी मैटेरियल तथा ऑनलाइन पढ़ाई की सुविधा प्राप्त होती है । पढ़ाई का स्तर गुणवत्तापूर्ण है जिसे छात्र

ईज्ञानकोष ,ज्ञान दर्शन तथा अन्य सोशल मीडिया से जुड़कर अपना अध्ययन पूरा कर सकते हैं। वैसे लोग जो अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से आगे पढ़ाई करना चाहते हैं, उनके लिए इग्नू बहुत ही मददगार है।अध्ययन केंद्र 3609, ए एस कॉलेज ,देवघर परीक्षा केंद्र पर कदाचार मुक्त परीक्षा हो रही है, इसमें सभी अनुभवी वीक्षक निर्धारित समय पर आकर परीक्षा को प्रभावी ढंग से संपन्न करवाने में केंद्राधीक्षक की मदद करते हैं ।इग्नू के वीक्षक प्रायः अनुभवी इग्नू काउंसलर और कॉलेज के शिक्षक होते हैं ।कॉलेज में साफ सफाई, जनरेटर की सुविधा,बैठने की उत्तम व्यवस्था तथा हरित पर्यावरण की अनुभूति प्राप्त होती है।परीक्षा के प्रश्नपत्र निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार पूछे जाते हैं। प्रश्न पत्र अलग-अलग रंगों के पैकेट में इग्नू, दिल्ली के द्वारा सभी परीक्षा केंद्रों पर ससमय भेज दिए जाते हैं और कुछ प्रश्न पत्र ऑनलाइन मोड में डाउनलोड किए जाते हैं। प्रत्येक परीक्षा के दिन अनुभवी और उच्च योग्यता धारी पर्यवेक्षक प्रतिनियुक्ति किए जाते हैं। इग्नू रीजनल केंद्र के निदेशक डॉ अरविंद मनोज कुमार सिंह तथा सलाहकार देवेश कुमार शर्मा के संरक्षण में देवघर में परीक्षा संचालित हो रही है

युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष ने टीम के साथियों के साथ मंत्री से की मुलाकात

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर-तीसरी पारी की शुरूवात करने के बाद जेएमएम युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष राहुल चन्द्रवंशी ने अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफिजूल अंसारी से मुलाकात कर अभिवादन किया और मिठाई खिलाया।मंत्री श्री अंसारी ने शुभकामनाएं देते हुए संगठन हित में ओर बढ़चढ़ कर कार्य करनें की बात कही।वहीं इस मुलाकात के सम्बंध में राहुल चन्द्रवंशी ने कहा की मंत्री जी हमारे अभिभावक हैं, पार्टी के बड़े नेता हैं,उनसे समय समय पर मार्गदर्शन और आशीर्वाद लेने आते रहते हैं।इस दौरान राहुल के टीम के सदस्य युवा मोर्चा जिला सचिव प्रकाश पांडे,जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र सोरेन, जिला उपाध्यक्ष अब्दुल मतीन, कोषाध्यक्ष शशि दास, वैभव चंद्रवंशी,रोहित,धनंजय रवानी,अनीश कुमार ,अमित सिंह आदि शामिल थे।

कांग्रेस की संविधान बचाओ रैली को सफल बनाने की तैयारियाँ तेज, कार्यकताओं ने कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण

रिपोर्ट– अविनाश मंडल

पाकुड़:लिट्टीपाड़ा आगामी रविवार को पाकुड़ जिला अंतर्गत लिट्टीपाड़ा प्रखंड में आयोजित होने वाली हैं, कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस पार्टी के प्रदेश प्रभारी के. राजू, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, प्रदेश के वरिष्ठ पदाधिकारी, पार्टी के मंत्रीगण एवं विधायकगण की उपस्थिति सुनिश्चित हुई है, इसी दौरान कार्यक्रम को सफलता पूर्वक सुनिश्चित करने हेतु कांग्रेस **प्रदेश महासचिव तनवीर आलम** के निर्देशानुसार मंगलवार को पाकुड़ जिलाध्यक्ष श्रीकुमार सरकार, साहिबगंज जिलाध्यक्ष बरकत खान, प्रखंड अध्यक्ष मानसारुल हक, जिला कोषाध्यक्ष असद हुसैन, सोशल मीडिया चेयरमैन पियारुल इस्लाम, लिट्टीपाड़ा प्रखंड अध्यक्ष मुर्शीद आलम, गणेश शाह एवं मिलन कुमार मंडल ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान तैयारियों की स्थिति से प्रदेश महासचिव तनवीर आलम को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से स्थल का अवलोकन कराया गया। कार्यक्रम को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने के लिए पार्टी कार्यकताओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड ने चिली की कोडेल्को टीम का किया स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली। चिली की सरकारी स्वामित्व वाली तांबे की खनन कंपनी कॉर्पोरेसियोन नैशनल डेल कोबरे (कोडेल्को) का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार सुबह नई दिल्ली पहुंचा है। चिली के खनन विशेषज्ञों की यह टीम अगले तीन हफ्ते भारत में रहकर हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) की विभिन्न इकाइयों का दौरा करेगी। कोडेल्को के खनन विशेषज्ञों में एंजेलो जियोवानी ग्यूसेप एगुइलर कैटलानो-भूविज्ञान और अन्वेषण, जोस रामोम अबाटे पेरेज -नवाचार और प्रौद्योगिकी, कार्लोस एबेलार्डो विल्चेस डोनोसो-टेलिंग प्रबंधन, जॉर्ज लुइस एस्पिंडोला लांडा-जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग तथा सर्जियो जोनाथन पिचोट हेरिकेज-जियोमेटालर्जी शामिल हैं। एचसीएल के मुताबिक इनकी तीन हफ्ते की यात्रा का उद्देश्य ज्ञान साझा करना और मूल्य संवर्धन के अवसरों का पता लगाना है। खान मंत्रालय के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेन?द्र मोदी और चिली के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक फॉन्ट की मौजूदगी में 01, अप्रैल को एचसीएल और कोडेल्को के बीच आदान-प्रदान किए गए ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) के बाद यह पहल की गई है।

इंडोगल्फ क्रॉपसाइंसेज का आईपीओ 26 जून को खुलेगा, प्राइस बैंड 105-111 रुपये प्रति शेयर

मुंबई। फसल सुरक्षा उत्पाद बनाने वाली कंपनी इंडोगल्फ क्रॉपसाइंसेज लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए 26 जून को खुलेगा और 30 जून को बंद होगा। कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 105-111 रुपये प्रति शेयर तय किया है इंडोगल्फ क्रॉपसाइंसेज लिमिटेड ने सोमवार को आईपीओ प्रेस वर्चुअल मीट में बताया कि 10 रुपये अंकित मूल्य वाले अपने पहले आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 105-111 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने कहा कि ये आईपीओ 26 जून को खुलेगा और 30 जून को बंद होगा। इसमें निवेश करने के लिए बड़े (एंकर) निवेशक 25 जून को बोली लगा पाएंगे। यह कंपनी का पहला आईपीओ है। इंडोगल्फ क्रॉपसाइंसेज लिमिटेड के इस आईपीओ में 160 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी करने तथा ओम प्रकाश अग्रवाल (एचयूएफ) के 15,40,960 इक्विटी शेयरों और संजय अग्रवाल (एचयूएफ) द्वारा 20,62,643 इक्विटी शेयरों यानी कुल 36.03 लाख शेयरों की बिक्री की पेशकश का मिश्रण है। निवेशक इसके लिए न्यूनतम 135 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 135 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। सिस्टमैटिक्स कॉरपोरेट सर्विसेज लिमिटेड एकमात्र बुक-रनिंग लीड मैनेजर है और बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड इस इश्यू का रजिस्ट्रार है।

मध्य-पूर्व में तनाव कम होने से कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट,

नई दिल्ली। मध्य-पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव में कमी आने की उम्मीद के चलते वैश्विक कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमतों में सोमवार को भारी गिरावट दर्ज की गई। ईरान और इजरायल के बीच संघर्ष कम होने की खबरों ने बाजार को राहत दी है, जिसका सीधा असर तेल की कीमतों पर पड़ा है। इस गिरावट से भारत जैसी तेल आयातक अर्थव्यवस्थाओं और विशेष रूप से सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों के शेयरों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की संभावना है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस बयान के बाद बाजार में सकारात्मकता देखी गई, जिसमें उन्होंने कहा था कि इजरायल और ईरान युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। हालांकि ईरान ने बाद में इस दावे को पूरी तरह से खारिज कर दिया है, लेकिन ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराग्ची के उस बयान ने बाजार को थोड़ी राहत दी कि अगर इजरायल सुबह 4 बजे तक हमला बंद कर देता है, तो ईरान आगे जवाबी कार्रवाई नहीं करेगा। इस बयान को तनाव कम करने की दिशा में एक कदम के रूप में देखा गया, जिसके परिणामस्वरूप क्रूड ऑयल की कीमतें नीचे आईं। बेंचमार्क अमेरिकी कच्चे तेल की कीमतें 7त्न से अधिक गिरकर 68 प्रति बैरल के आसपास आ गईं, जो संघर्ष शुरू होने से पहले के स्तर के करीब है।

ईपीटीए ने सरकार से की आईएसटीएस छूट पर लचीलापन बरतने की अपील

नई दिल्ली। भारत के पारेषण क्षेत्र की शीर्ष संस्था इलेक्ट्रिक पावर ट्रांसमिशन एसोसिएशन (ईपीटीए) ने केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि वह अंतर्राज्यीय पारेषण प्रणाली (आईएसटीएस) छूट को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने की योजना पर पुनर्विचार करे। ईपीटीए ने सुझाव दिया है कि देश के 2030 तक 500 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा लक्ष्य को देखते हुए सरकार को ज़मीन पर प्रगति कर रहे प्रोजेक्ट्स को राहत देने के लिए माइलस्टोन आधारित मोहलत प्रणाली अपनानी चाहिए। ईपीटीए के महानिदेशक जीपी उपाध्याय ने कहा, हम सरकार से पूरी छूट की मांग नहीं कर रहे हैं बल्कि सिर्फ़ यह कह रहे हैं कि जिन परियोजनाओं ने वित्तीय क्लोजर, जमीन अधिग्रहण और उपकरणों की खरीद जैसे अहम पड़ाव पार कर लिए हैं।

एलेनबैरी इंडस्ट्रियल गैसेज का आईपीओ खुला, 26 जून तक कर सकेंगे निवेश

एजेंसी

मुंबई। औद्योगिक एवं चिकित्सा गैस क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एलेनबैरी इंडस्ट्रियल गैसेज लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए मंगलवार को खुल गया। निवेशक 26 जून तक बोली लगा सकते हैं। कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 380-400 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी के शेयर 1 जुलाई को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर लिस्ट होंगे। कंपनी इस आईपीओ के जरिए टोटल 852.53 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। कंपनी इस इश्यू में 452.53 करोड़ रुपये के फ्रेश शेयर्स जारी करेगी। इसके साथ ही कंपनी के मौजूदा निवेशक या प्रमोटर ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए 400 करोड़ रुपये के शेयर बेचेंगे, जिसमें पद्म कुमार अग्रवाल द्वारा

56,56,565 इक्विटी शेयर और वरुण अग्रवाल द्वारा 56,56,565 इक्विटी शेयर की बिक्री की जाएगी। इसमें निवेश करने के लिए कम से कम 37 शेयरों का एक लॉट खरीदना जरूरी होगा। एलेनबैरी इंडस्ट्रियल गैसेज लिमिटेड का यह प्रस्ताव बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से किया जा रहा है, जिसमें शुद्ध प्रस्ताव का 50 फीसदी हिस्सा योग्य संस्थागत खरीदारों को और 15 फीसदी गैर-संस्थागत निवेशकों को तथा 35 फीसदी से कम हिस्सा खुदरा व्यक्तिगत बोलीदाताओं को आवंटित करने के लिए उपलब्ध होगा। कंपनी इस नए इश्यू से प्राप्?त 210 करोड़ रुपये की धनराशि का उपयोग एलेनबैरी इंडस्ट्रियल गैसेज द्वारा लिए गए कुछ बकाया उधारों के पूर्ण या आंशिक पुनर्भुगतान, पूर्व भुगतान के लिए करेगी। उल्लेखनीय है कि 1973 में स्थापित एलेनबैरी इंडस्ट्रियल गैसेस लिमिटेड (ईआईजीएल) कंपनी औद्योगिक, चिकित्सा और विशेष गैसों का एक प्रमुख भारतीय निर्माता तथा आपूर्तिकर्ता भी है। ये भारत में सबसे पुरानी संचालित औद्योगिक गैस कंपनियों में से एक है। ये कंपनी ऑक्सीजन, कार्बन डाइऑक्साइड, एसिटिलीन, नाइट्रोजन, हीलियम, हाइड्रोजन, आर्गन और नाइट्रस ऑक्साइड सहित औद्योगिक गैसों का निर्माण और आपूर्ति करती है।

केंद्र ने एकीकृत पेंशन योजना चुनने की अंतिम तिथि 30 सितंबर तक बढ़ाई

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पात्र मौजूदा कर्मचारियों, पूर्व सेवानिवृत्त कर्मचारियों और दिवंगत पूर्व सेवानिवृत्त कर्मचारियों के कानूनी रूप से विवाहित जीवन साथियों के लिए एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) का विकल्प चुनने की अंतिम तिथि तीन महीने बढ़ाकर 30 सितंबर कर दी है।वित्त मंत्रालय ने बताया कि यह निर्णय विभिन्न हितधारकों से प्राप्त अभ्यावेदन के मद्देनजर लिया गया है, जिसमें कट-ऑफ तिथि को आगे बढ़ाने का अनुरोध किया गया है। मंत्रालय के मुताबिक इस ढांचे को क्रियान्वित करने के लिए पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने 19 मार्च को एनपीएस के तहत एकीकृत पेंशन योजना का क्रियान्वयन विनियम, 2025 को अधिसूचित किया। इस योजना के तहत अपना विकल्प चुनने के लिए तीन महीने यानी 30 जून तक की अवधि दी गई थीअब मंत्रालय ने कहा कि कट-ऑफ तिथि को आगे बढ़ाने के अनुरोध पर यूपीएस का विकल्प चुनने की कट-ऑफ तिथि को तीन महीने यानी 30 सितंबर तक बढ़ाने का फैसला किया है।

सोने की कीमत में गिरावट जारी, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में गिरावट का सिलसिला आज भी जारी है। भाव में कमजोरी आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,00,680 रुपये से लेकर 1,00,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 92,290 रुपये से लेकर 92,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना के भाव में गिरावट आने के बावजूद चांदी की कीमत में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 1,09,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,00,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 92,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,00,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की

रिटेल कीमत 1,00,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,00,680 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 92,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,00,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,00,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 92,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 92,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,00,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में कमजोरी दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 1,00,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

एसईसीआई ने उर्वरक क्षेत्र को कार्बन मुक्त करने को 724,000 टन ग्रीन अमोनिया के लिए टेंडर जारी किया

एजेंसी

नई दिल्ली। टिकाऊ और आत्मनिर्भर भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के तहत एक 'नवरत्न' केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसईसीआई) ने ग्रीन अमोनिया के उठाव के लिए एक ऐतिहासिक निविदा जारी की है। इसका उद्देश्य भारत के उर्वरक क्षेत्र को कार्बन मुक्त करना है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में बताया कि एसईसीआई ने 13 उर्वरक संयंत्रों के लिए सालाना 724,000 टन ग्रीन अमोनिया खरीदने के लिए एक ऐतिहासिक निविदा जारी की है। इसका उद्देश्य उत्सर्जन में कमी लाना और आयातित ईंधन पर निर्भरता कम करना है। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की ग्रीन हाइड्रोजन ट्रांजिशन (एसआईजीएचटी) योजना के तहत 7 जून को जारी यह निविदा, कृषि में स्वच्छ विकल्पों की ओर भारत के कदम की दिशा में एक

अहम कदम है। इसके लिए बोली जमा करने की अंतिम तिथि 26 जून, 2025 है। एसईसीआई के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के रूप में संतोष कुमार सारंगी के शामिल होने के बाद इस ऐतिहासिक पहल को शुरू किया गया। इसका उद्देश्य भारत के महत्वपूर्ण उर्वरक क्षेत्र को कार्बन मुक्त करना और देश को 2070 तक अपने शुद्ध-शून्य कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य की ओर ले जाना है। केंद्र सरकार ने निवेश आकर्षित करने और वाणिज्यिक व्यवहार्यता सुनिश्चित करने के लिए पहले वर्ष में 8.82 रुपये प्रति किलोग्राम, दूसरे वर्ष में 7.06 रुपये प्रति किलोग्राम और तीसरे वर्ष में 5.30 रुपये प्रति किलोग्राम उत्पादन-संबंधी प्रोत्साहन दे रही है, जिससे कुल समर्थन 1,533.4 करोड़ रुपये होगा। यह पहल शुद्ध-शून्य कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करने के भारत के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो विकसित होने के साथ-साथ एक स्थायी और आत्मनिर्भर विकसित भारत के व्यापक दृष्टिकोण का समर्थन करती है।

एसएंडपी ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर किया 6.5 फीसदी

एजेंसी

नई दिल्ली। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाकर 6.5 फीसदी कर दिया है। रेटिंग्स एजेंसी ने आज जारी एशिया प्रशांत आर्थिक परिदृश्य में सामान्य मानसून, कच्चे तेल की कम कीमतों और मौद्रिक नरमी को ध्यान में रखते हुए विकास दर के अनुमान में ये इजाफा किया है। हालांकि, एसएंडपी ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव के चलते वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए खतरे की भी आशंका जताई है। एसएंडपी ने पिछले महीने वैश्विक अनिश्चितताओं और अमेरिकी टैरिफ झटकों का हवाला देते हुए चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को 20 आधार अंकों (0.20 फीसदी)

घटाकर 6.3 फीसदी कर दिया था। एजेंसी ने जारी अपने ताजा अनुमान में कहा कि अगर पश्चिम एशिया में संघर्ष लंबा खिंचा तो इससे तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं जिसका एशिया प्रशांत महासागर क्षेत्र के आर्थिक विकास पर असर होगा। भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों को पूरा करने के लिए 90 फीसदी आयात पर निर्भर है और अपनी प्राकृतिक गैस का लगभग आधा हिस्सा विदेशों से खरीदता है। एसएंडपी ने कहा कि घरेलू मांग में लचीलापन, भारत जैसी वस्तुओं के निर्यात से कम जुड़ी अर्थव्यवस्थाओं में आर्थिक मंदी को सीमित करने में विशेष रूप से प्रासंगिक है। एसएंडपी ने कहा कि हमें लगता है कि 31 मार्च 2026 को समाप्त होने वाले वित?त वर्ष 2025-26 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहेगी। इस पूर्वानुमान में सामान्य मानसून, कच्चे तेल की कम कीमतें, आयकर में छूट और मौद्रिक सहजता को शामिल किया गया है। भारत के लिए एसएंडपी का विकास दर का ताजा अनुमान रिजर्व बैंक आफ इंडिया द्वारा इस महीने की शुरुआत में जताए गए 6.5 फीसदी के अनुमान के अनुरूप है।

मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने नोएडा में खोला 400वां शोरूम

एजेंसी

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे बड़े ज्वैलरी खुदरा विक्रेताओं में से एक मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने सोमवार को नोएडा के सेक्टर-18 में अपने 400वें शोरूम की शुरुआत की है। ब्रांड ने वर्तमान में 63 हजार करोड़ रुपये के कारोबार और 13 देशों में उपस्थिति के साथ राजस्व में तेजी से वृद्धि करके 78 हजार करोड़ रुपये तक कारोबार पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। मालाबार समूह के चेयरमैन एमपी अहमद ने अपने संबोधन में कहा कि नोएडा में अपने 400वें शोरूम के उद्घाटन पर हमें बेहद खुशी है। यह उपलब्धि हमारी विकास महत्वाकांक्षाओं का प्रमाण है और भारत और दुनिया भर में हमारे लगातार बढ़ते कदमों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, ताकि हम नंबर 1 वैश्विक आभूषण रिटेलर बन सकें। उन?होंने बताया कि उनकी योजना अपने वैश्विक कार्यबल को लगभग 27,250 प्रबंधन टीम सदस्यों तक विस्तारित करने की है, जिससे दुनिया के सबसे भरोसेमंद और जिम्मेदार आभूषण ब्रांडों की स्थिति और मजबूत होगी। चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 15 देशों और भारत के 22 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में अपनी उपस्थिति का विस्तार करते हुए 60 शोरूम खोलने की योजना है। कंपनी के प्रबंध निदेशक (भारतीय परिचालन) अशर ओ. ने कहा कि मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स पूरे भारत में तेजी से प्रगति कर रहा है, जो हमारे लिए सबसे बड़ा बाजार और अवसर बना हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारे पास इस विकास की गति को बनाए रखने के लिए स्पष्ट योजनाएं हैं। हम मौजूदा और नए राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करेंगे। अशर ओ. ने कहा कि इस वित्त वर्ष के अंत तक 22 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों तक पहुंच बना लेंगे।

एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज का 12,500 करोड़ का आईपीओ 25 जून से खुलेगा

एजेंसी

जयपुर। एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड का बहुप्रतीक्षित प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव (आईपीओ) 2025 को खुलेगा और शुक्रवार, 27 जून 2025 को बंद होगा। एंकर निवेशकों के लिए बोलियां मंगलवार, 24 जून को आमंत्रित की जाएंगी। आईपीओ का मूल्य बैंड 700 रुपये से 740 रुपये प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है, जिनका अंकित मूल्य 10 रुपये है। फ्लोर प्राइस शेयर के फेस वैल्यू का 70 गुना और कैप प्राइस 74 गुना है। निवेशक कम से कम 20 इक्विटी शेयर और उसके बाद 20 के गुणकों में बोली लगा सकेंगे। आईपीओ का कुल आकार 12,500 करोड़ रुपये का है, जिसमें 2,500 करोड़ रुपये का फ्रेश इश्यू और 10,000 करोड़ रुपये का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) शामिल है। ऑफर फॉर सेल के तहत एचडीएफसी बैंक लिमिटेड अपने 10,000 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयर बाजार में बेचेगा। कंपनी फ्रेश इश्यू से प्राप्त पूंजी का उपयोग टियर-1 कैपिटल बेस को मजबूत करने, भविष्य की पूंजीगत आवश्यकताओं की पूर्ति करने तथा अपने प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों–जैसे एंटरप्राइज लेंडिंग, एसेट फाइनेंस और कंज्यूमर फाइनेंस में ऋण गतिविधियों को बढ़ाने के लिए करेगी। इसके अतिरिक्त, ऑफर से जुड़े खर्चों को भी इसी राशि से वहन किया जाएगा। यह प्रस्ताव बुक बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से लाया जा रहा है और इसका नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के दिशा-निर्देशों के अंतर्गत किया जाएगा। यह पेशकश 19 जून 2025 को फाइल किए गए रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के आधार पर की जाएगी, जिसे रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज, गुजरात, दादरा और नगर हवेली, अहमदाबाद के पास दायर किया गया है। प्रस्तावित इक्विटी शेयर बीएसई लिमिटेड (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) में सूचीबद्ध होंगे, जिसमें एनएसई को डेजिग्नेटेड स्टॉक एक्सचेंज के रूप में चुना गया है। आईपीओ में नेट ऑफर का 50 प्रतिशत तक हिस्सा योग्य संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) के लिए आरक्षित होगा, जिसमें से 60 प्रतिशत तक एंकर निवेशकों को आवंटित किया जा सकता है। एंकर हिस्से का एक-तिहाई भाग घरेलू म्यूचुअल फंडों के लिए आरक्षित होगा। 15 प्रतिशत हिस्सा गैर-संस्थागत निवेशकों (एनआईआई) के लिए निर्धारित किया गया है, जिसमें से एक-तिहाई 2 लाख रुपये से 10 लाख रुपये तक की बोलियों और दो-तिहाई 10 लाख रुपये से अधिक की बोलियों के लिए होगा। 35 प्रतिशत हिस्सा खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों (आरआईबी) को आवंटित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, एचडीएफसी बैंक के पात्र शेयरधारकों और कर्मचारियों के लिए भी आरक्षित कोटा रखा गया है। एंकर निवेशकों को छोड़कर शेष सभी निवेशकों को एएसबीए प्रक्रिया के माध्यम से आवेदन करना होगा, जिसमें उनके बैंक खाते से बोली राशि ब्लॉक की जाएगी।

आईआईसीए ने तीन दिवसीय कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम शुरू किया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय कॉरपोरेट मामलों के संस्थान (आईआईसीए) ने नागपुर में राष्ट्रीय रक्षा उत्पादन अकादमी (एनएडीपी) में मुनिशन इंडिया लिमिटेड (एमआईएल) के अधिकारियों के लिए कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पर केंद्रित तीन दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम शुरू किया है। आईआईसीए के स्कूल ऑफ बिजनेस एनवायरनमेंट की एसोसिएट प्रोफेसर और प्रमुख डॉ. गरिमा दधीच के नेतृत्व में उद्घाटन सत्र से कार्यक्रम की शुरुआत हुई, जिन्होंने सीएसआर की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों के साथ सीएसआर को एकीकृत करने के लिए अभिनव दृष्टिकोण तलाशने के लिए प्रोत्साहित किया। एनएडीपी के मुख्य महाप्रबंधक डॉ. जेपी दाश ने सीएसआर डोमेन में

प्रतिभागियों के ज्ञान आधार, नेतृत्व क्षमताओं और कार्यान्वयन क्षमताओं को बढ़ाने में प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने सामाजिक रूप से जिम्मेदार सार्वजनिक क्षेत्र के नेतृत्व के निर्माण में एक कदम आगे के रूप में इस पहल का स्वागत किया। तीन दिवसीय कार्यक्रम में सीएसआर नीति निर्माण, प्रभाव आकलन, स्थिरता रिपोर्टिंग और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं जैसे पर्यावरणीय स्थिरता, आजीविका सृजन और सामाजिक समावेशन जैसे प्रमुख क्षेत्रों के साथ तालमेल को शामिल किया गया। आईआईसीए और बाहरी संस्थानों के विशेषज्ञ व्याख्यान, केस स्टडी और इंटरैक्टिव क्रियाकलाप के माध्यम से प्रतिभागियों को शामिल करेंगे। यह पहल भारत में जिम्मेदार कॉरपोरेट आचरण और सतत विकास के लिए हितधारकों के बीच क्षमता निर्माण के लिए आईआईसीए के मिशन में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

जोरदार उतार-चढ़ाव के बाद गिरावट के साथ बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज सप्ताह के पहले कारोबारी दिन ही जोरदार उतार चढ़ाव होता हुआ नजर आया। शुरुआती कारोबार में बाजार 1 प्रतिशत से अधिक की गिरावट का शिकार हो गया। हालांकि सुबह 10 बजे के बाद खरीदारी शुरू हो जाने के कारण शेयर बाजार निचले स्तर से काफी हद तक रिकवर होने में भी सफल रहा। दोपहर 2 बजे के बाद बाजार में एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में दोबारा गिरावट आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.62 प्रतिशत और निफ्टी 0.56 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।आज दिन भर के कारोबार के दौरान मेटल, मीडिया और कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑयल एंड गैस और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर एफएमसीजी, ऑटोमोबाइल, आईटी और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह हेल्थकेयर और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज आमतौर पर खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.20 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.57 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

एप्पेलटोन इंजीनियर्स की स्टॉक मार्केट में धांसू एंट्री, पहले दिन ही आईपीओ निवेशकों के पैसे डबल हुए

एजेंसी

नई दिल्ली। स्मार्ट मीटर और इलेक्ट्रिकल एप्लायंसेज बनाने वाली कंपनी एप्पेलटोन इंजीनियर्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 128 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री मैक्सिमम प्रीमियम लिमिट 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 243.20 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद कुछ देर में ही खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 255.35 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों का पैसा पहले दिन ही लगभग डबल हो गया है। एप्पेलटोन इंजीनियर्स का 43.96 करोड़ रुपये का आईपीओ 17 से 19 जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला

था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 296.34 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 132.23 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 627.28 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 248.04 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 34.34 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नई मशीनरी का इंस्टॉलेशन करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 1.09 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 8.16 करोड़ रुपये और 2024-25 में 11.23 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 31 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 125.74 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

मालदीव पहुंची

काजल अग्रवाल

ने दिखाया हॉट अवतार, व्हाइट मोनोकनी पहन समंदर में लगाए गोते, बेटे और पति संग यूं बिताया वक्त

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर एक्ट्रेस काजल अग्रवाल ने 19 जून को अपने जन्मदिन का जश्न बड़ी ही खूबसूरती से मनाया। यह इसलिए भी खास था, क्योंकि उन्होंने इस मायानगरी से दूर मालदीव में फैमिली संग सेलिब्रेट किया। अब हाल ही में कुछ दिनों बाद काजल ने मालदीव

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर एक्ट्रेस काजल अग्रवाल ने 19 जून को अपने जन्मदिन का जश्न बड़ी ही खूबसूरती से मनाया। यह इसलिए भी खास था, क्योंकि उन्होंने इस मायानगरी से दूर मालदीव में फैमिली संग सेलिब्रेट किया। अब हाल ही में कुछ दिनों बाद काजल ने मालदीव में पति और बेटे संग स्पैंड किए क्वालिटी टाइम की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। फैंस हसीना की इन तस्वीरों पर जमकर प्यार लुटा रहे हैं।

तस्वीरों में काजल समुद्र के किनारे प्राकृतिक दृश्यों के बीच पूरी तरह सुकून लेती और खुश नजर आ रही है।मालदीव में एक्ट्रेस व्हाइट मोनोकनी और चेक ट्राउजर में बेहद हॉट दिखीं और वहां का टेम्प्रेचर बढ़ाती नजर आईं।कभी वह समंदर में बेटे संग बाथ लेती तो कभी मोनोकनी में गोते लेती दिखाई दीं।

कई तस्वीरों में वह समंदर किनारे अपने पति संग वॉक करती और हैप्पी मूमेंट्स एंजॉय करती दिखीं। फैंस काजल की इन तस्वीरों को जमकर लाइक कर रहे हैं।

इन तस्वीरों को शेयर कर काजल अग्रवाल ने कैप्शन में लिखा-प्यार और कृतज्ञता से भरी हुई मेरे प्यारे दोस्तों, प्रशंसकों और परिवार, जन्मदिन की शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद, जिसने मेरे दिन को बेहद खास बना दिया। अपने चाहने वालों से घिरी, दिल से संतुष्ट और पेट से खुश आप सबकी शुभकामनाएं और दुआएं मेरे लिए अनमोल हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि मालदीव जैसे सुंदर स्थान पर यह दिन बिताना उनके लिए एक दिव्य अनुभव रहा।

वर्कफ्रंट

दूसरी ओर काम की बात करें तो काजल अग्रवाल जल्द ही फिल्म कन्नप्पा में नजर आने वाली हैं। यह एक पौराणिक एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसमें वे देवी पार्वती की भूमिका निभा रही हैं। फिल्म की कहानी भगवान शिव के परम भक्त कन्नप्पा पर आधारित है। फिल्म में वह एक्टर अक्षय कुमार और विष्णु मांचू के साथ लीड रोल में नजर आएंगी।

आमिर-सनी देओल ने मिलकर चूर कर दिया था करण जौहर का घमंड! सफेद पड़ गया था चेहरा

हिंदी सिनेमा के सबसे सफल फिल्ममेकर्स में से एक करण जौहर अपने करियर में कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों का डायरेक्शन कर चुके हैं. वो बतौर प्रोड्यूसर भी कई बेहतरीन फिल्मों का हिस्सा रहे हैं. उन्होंने बतौर डायरेक्टर अपनी शुरुआत ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर फिल्म 'कुछ कुछ होता है' के जरिए की थी. पहली ही पिक्चर की बड़ी सफलता के बाद करण काफी खुश तो थे ही और उनमें ओवर कॉन्फिडेंस भी आ गया था, हालांकि उनका ये ओवर कॉन्फिडेंस सनी देओल और आमिर खान जैसे सुपरस्टार्स ने चूर कर दिया था.

'कुछ कुछ होता है' के बाद करण जौहर ने 'कभी खुशी कभी गम' जैसी एक और ब्लॉकबस्टर फिल्म बनाई थी. ये भी दर्शकों के दिलों में जगह बनाने में कामयाब रही. लेकिन, इसकी कास्टिंग के बाद करण जौहर अपने आगे किसी को कुछ नहीं समझ रहे थे. लेकिन इसी बीच जब सनी देओल की 'गदर: एक प्रेम कथा' और आमिर खान की 'लगान' रिलीज हुई तो करण जौहर ने महसूस किया कि ओवर कॉन्फिडेंस में नहीं जीना चाहिए. ये फिल्में देखकर करण का चेहरा सफेद पड़ गया था.

अमिताभ-शाहरुख को कास्ट करके सातवे आसमान पर थे करण

करण जौहर ने एक बातचीत के दौरान बताया था कि कुछ कुछ होता है के बाद वो कभी खुशी कभी गम बना रहे थे. फिल्म में अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, जया बच्चन, काजोल, करीना कपूर खान और ऋतिक रोशन को कास्ट करके वो खुद को सातवें आसमान पर महसूस कर रहे थे. उन्होंने कहा था, मुझे ऐसा लग रहा था कि मैं शोले बना रहा हूं. मैं तो छा जाऊंगा, फाड़ दूंगा, मिलिट्री बुलानी पड़ेगी. फिल्म इतनी बड़ी हिट होगी.

'लगान-गदर' देखी तो उड़ गए होश

जब करण 'कभी खुशी कभी गम' पर काम कर रहे थे तो उसी बीच आमिर खान की लगान और सनी देओल की गदर ने सिनेमाघरों में दस्तक दी थी. करण ने कहा था, मैंने 'लगान' देखी तो मेरे सिर से छत उड़ गई थी. मैं बाहर आया तो देखा कि सबका फेस लाल था मेरा सफेद हो गया था. उसी दिन 'गदर' रिलीज हुई मैंने 'गदर' भी देखी. मेरे सिर से फिर से एक और छत उड़ गई. मैंने कहा क्या कमाल की पिक्चर बनाई है.

मेरा ओवर कॉन्फिडेंस गिर गया

'गदर' और 'लगान' दोनों ही 15 जून 2001 को रिलीज हुई थी और दोनों ही बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी. वहीं 14 दिसंबर 2001 को रिलीज हुई करण की 'कभी खुशी कभी गम' भी ब्लॉकबस्टर थी.

दुनिया छोड़ चुकी इस एक्ट्रेस के दीवाने हैं सलमान खान और अजय देवगन, धर्मेंद्र भी मानते हैं सबसे खूबसूरत

हिंदी सिनेमा के इतिहास में एक से बढ़कर एक खूबसूरत हसीनाएं आई हैं. फैंस कभी कटरीना कैफ तो कभी ऐश्वर्या राय की खूबसूरती पर फिदा रहे. कभी माधुरी दीक्षित तो कभी रेखा और श्रीदेवी पर लट्टू रहे. हालांकि गुजरे दौर में और भी कई खूबसूरत हसीनाएं हुई हैं. इनमें मीना कुमारी, हेमा मालिनी, मधुबाला, माला सिन्हा सहित कई नाम आपको मिल जाएंगे. हालांकि बात जब गुजरे दौर की सबसे खूबसूरत एक्ट्रेस की होती है तो इसमें मधुबाला बाजी मार ले जाती हैं.

दिग्गज और दिवंगत एक्ट्रेस मधुबाला की खूबसूरती पर सिर्फ फैंस ही नहीं, बल्कि बॉलीवुड के बड़े से बड़े दिग्गज अभिनेता भी फिदा थे. एक समय बॉलीवुड के सबसे हैंडसम एक्टर रहे धर्मेंद्र को मधुबाला सबसे खूबसूरत लगती थीं. वहीं अजय देवगन और सलमान खान जैसे सुपरस्टार्स का भी ये ही मानना है.

मधुबाला की खूबसूरती पर फिदा हैं दिग्गज

एक शो के दौरान सलमान खान से बॉबी देओल ने सवाल किया था कि उनकी नजर में कल की यानी गुजरे दौर की सबसे खूबसूरत एक्ट्रेस कौन हैं ? इस पर सलमान ने मधुबाला का नाम लिया था. वहीं बॉबी के पिता और दिग्गज एक्टर धर्मेंद्र ने भी इस मामले में मधुबाला का ही नाम लिया था. जबकि अजय देवगन से जब एक शो के दौरान इस तरह का सवाल किया गया था तो उन्होंने मधुबाला का नाम लिखकर जवाब दिया था.

छोटे से करियर में की 66 फिल्में

मधुबाला का जन्म दिल्ली में 14 फरवरी 1933 को हुआ था. दस भाई-बहनों में मधुबाला पांचवे नंबर पर थीं. वो मुस्लिम परिवार में पैदा हुई थीं. उनका असली नाम मुमताज बेगम जहां देहलवी था. 9 साल की उम्र में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट बॉलीवुड में काम करने वाली मधुबाला ने अपने करियर में 66 फिल्मों में अहम किरदार निभाया था.

36 साल की उम्र में हो गया था निधन

मधुबाला के करियर की सबसे सफल और पसंदीदा फिल्म 'मुगल-ए-आजम' रही. इसके अलावा उनकी चर्चित फिल्मों में 'नीलकमल', 'दिल की रानी', 'अमर प्रेम', 'बादल', 'तराना', 'महल', 'हावड़ा ब्रज', 'संगदिल'और 'हाफ टिकट' आदि शामिल है. मधुबाला वेंट्रिकुलर सेप्टल डिफेक्ट नाम की बीमारी से पीड़ित थीं. उनका महज 36 साल की उम्र में 23 फरवरी 1969 को मुंबई में निधन हो गया था.

सोनाक्षी सिन्हा

वर्सेज काजोल, बॉक्स ऑफिस पर टकरा रहीं दो बड़ी हॉरर फिल्में, कौन मारेगा बाजी?

बॉलीवुड हमेशा से रोमांटिक फिल्मों का गढ़ रहा है. बॉलीवुड में शुरू से ही रोमांटिक फिल्में बनती आई हैं. लेकिन पिछले कुछ समय से लोगों का पसंदीदा जॉनर बदलता नजर आ रहा है. लोग अब रोमांस और एक्शन से ऊपर हॉरर फिल्मों को तवज्जो दे रहे हैं. इसका अंदाजा पिछले कुछ समय में रिलीज हुई हॉरर-कॉमेडी फिल्मों के बॉक्स ऑफिस आंकड़ों से लगाया जा सकता है. साल 2025 में भी ये सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है. उपर से अब तो चंद दिनों में दो बड़ी हॉरर-कॉमेडी फिल्मों का क्लैश देखने को मिलने वाला है.बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल की फिल्म मां सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है. वे इस फिल्म को लेकर काफी समय से चर्चा में बनी हुई हैं. वहीं उनकी फिल्म का सामना सोनाक्षी सिन्हा की मूवी निकिता रॉय से होने जा रहा है. इस फिल्म को लेकर भी बज़ बना हुआ है. ऐसे में आइये जानते हैं कि इन फिल्मों का बॉक्स ऑफिस क्लैश कैसा रहेगा और टिकट खिड़की पर किसके बाजी मारने की ज्यादा संभावना है.

काजोल और सोनाक्षी सिन्हा की भिड़ंत

काजोल की फिल्म मां सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही हैं. इसका निर्देशन विशाल फुरिया ने किया है. फिल्म में काजोल के अलावा रोनित रॉय, इंद्रनील सेनगुप्ता, गोपाल सिंह और जितिन गुलाटी अहम रोल में नजर आएंगे. वहीं सोनाक्षी सिन्हा की बात करें तो उनकी फिल्म निकिता रॉय सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है. इस फिल्म का निर्देशन कुश एस सिन्हा करने जा रहे हैं. इस फिल्म में सोनाक्षी के अपोजिट सुहैल नय्यर, परेश रावल और अर्जुन रामपाल अहम रोल में दिखेंगे. दोनों ही फिल्में 27 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तायार है.

मां VS निकिता रॉय में कौन मारेगा बाजी ?

मां फिल्म में काजोल लीड एक्ट्रेस हैं. भले ही अब काजोल की फिल्में सिनेमाघरों में कम ही नजर आती हैं लेकिन एक्ट्रेस को फैंस अभी भी देखना काफी पसंद करते हैं. उन्होंने पिछली कुछ फिल्मों में शानदार एक्टिंग भी कर के दिखाई है. अब वे अपने रोल्स के साथ एक्स्पेरिमेंट कर रही हैं. एक्ट्रेस अब एक सुपरनेचुरल ड्रामा का हिस्सा बनी हैं. ऐसे में फैंस उन्हें इस रोल में भी देखना पसंद कर सकते हैं. वहीं सोनाक्षी सिन्हा का भी अपना फैन फॉलोइंग बेस है. उनकी फिल्म की कास्ट भी काफी तगड़ी है. अब एक्ट्रेस कुछ अलग करने जा रही हैं.ऐसे में दोनों फिल्मों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिल सकती है. लेकिन मां को लेकर जिस तरह से हाइप बनी हुई है और जिस तरह से काजोल की क्रेजी फैन फॉलोइंग है, उसे देखते हुए तो सोनाक्षी सिन्हा.

बिरसा टाइम्स देश का सर्वाधिक प्रसारित रविवारीय अखबार है। अपनी खोजपूर्ण तथा विश्लेषणात्मक खबरों के कारण बिरसा टाइम्स ने मीडिया- जगत में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई हैं। वर्ष 1980 से शुरू हुआ बिरसा टाइम्स का सफरनामा इसके पाठकों के निरंतर स्नेह और समर्थन के चलते आज भी उसी तेवर के साथ जारी हैं।

राँची और दिल्ली के साथ-साथ
अब
बिहार, छत्तीसगढ़ तथा उड़ीसा
से
प्रकाशित होने जा रहा है।

बिरसा टाइम्स

देश का सर्वाधिक प्रसारित नंबर-1 रविवारीय अखबार

जन सम्पर्क विभाग में विशाल भ्रष्टाचार का वट वृक्ष

"जब झारखंड और बिहार एक साथ था तब पांडे अपने पिता के साथ पटना में महवीर मंदिर में साफ-सफाई का काम करता था और पांडे जी के पिता मंदिर के सचिव आईपीएस स्वर्गीय आचार्य किशोर कुणाल जी के घर पर पूजा पाठ करते थे एवं महवीर मंदिर में भी काम करते थे और उसी समय अवधेश पांडे बिहार सरकार में दैनिक मजदूर में बहली लेकर धीरे-धीरे आई इ एस पदाधिकारी के घर पर कप-प्लेट साफ कर प्रभारी निदेशक तक पहुंच गए ! श्री पांडे को हिंदी और अंग्रेजी में एक लाइन भी लिखने नहीं आता था ! इनका सारा का सारा फाइल का काम के नीचे वाले अधिकारी लिखते थे और इस काम में उप निदेशक श्री शालिनी वर्मा और वर्तमान में बोकारो के उपायुक्त श्रीअजय नाथ झा सारा फाइल का काम करते थे ! दोनों के दोनों से पांडे के कार्यालय से लेकर आवास तक 11:00 बजे रात तक गुरु मंत्र लेते रहते थे और इसमें अपनी कुशलता से श्री झा ने उपायुक्त पद पर पहुंच गए ! ऐसे पांडे कभी भी अपनी पत्नी को अपने आवास में नहीं रखते थे और पांडे के समय में सिर्फ सिर्फ उसके पिता ही रहते थे और श्री पांडे के समय में जनसंपर्क विभाग में भ्रष्टाचार का पेड़-पौधा लगन ! शुरू हुआ और अब वर्तमान में जनसंपर्क विभाग में भ्रष्टाचार का बड़ा बरगद का पेड़ हो चुका है।

बिरसा टाइम्स देश का विश्वास पत्रकारिता के उन मूल्यों में हैं जो आम आदमी की चिंताओं और सरोकारों को आवाज देते हैं। इसीलिए बिरसा टाइम्स लोगो के बीच इस लम्बी यात्रा में भी अपनी विश्वसनीयता बरकरार रखने में कामयाब रहा है। अपने खास कंटेंट, गंभीर राजनैतिक विश्लेषण, अलग अंदाज और सुन्दर छपाई के चलते बिरसा टाइम्स को सम्मान-जनक स्थान मिला हैं। शायद इसीलिए बिरसा टाइम्स के पाठक वे युवा और संवेदनशील लोग हैं जो न केवल देश के बारे में सोचते हैं बल्कि देश के लिए कुछ करने का जज्बा भी रखते हैं।

सत्य और निष्पक्ष समाचारों के लिए पढ़ें !

सम्पर्क सूत्र :-

aadivasiexpress@gmail.com
birsatimes@gmail.com

8084674042

6202611859
8084674042